कार्यालय, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा, ब्लॉक–भीण्डर (उदयपुर)

संकल्प – 2021
(एक अभिनव पहल)

प्रश्न बैंक

हिन्दी

कक्षा – 10

बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक एवं संख्यात्मक उन्नयन हेतु अभिनव कार्ययोजना के तहत् निर्मित

—::संरक्षक::—

श्री शिवजी गौड़
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा,उदयपुर

श्री मयंक मनीष, IAS
उपखण्ड अधिकारी
वल्लभनगर

मार्गदर्शन

श्री महेन्द्र कुमार जैन
मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी,पंचायत समिति,भीण्ड़र(उदयपुर)

श्री भैरूलाल सालवी
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

श्री रमेश खटीक
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

श्री गिरीश कुमार चौबीसा
संदर्भ व्यक्ति

श्री महेन्द्र कोठारी
संदर्भ व्यक्ति

संयोजक
श्री राजेश गहलोत
प्रधानाचार्य
चतुर रा0उ0मा0वि0,कानोड़

—: संकलनकर्ता :—

1 श्री राजेश मेहता ,व्याख्याता,च.रा.उ.मा.वि.कानोड़
2 श्रीमती शकुंतला व्यास व.अ. राउमावि.सारंगपुरा कानोड़
3 श्रीमती निर्मला चौबीसा व.अ. रामावि. सीड़
4 श्रीमती हेमलता व्यास व.अ. रा.उ.कु.बा.उमावि. कानोड़
5 श्री नरेन्द्र सिह व.अ. रामावि. राजपुरा
6 श्री शिव शंकर जोशी व.अ. राउमावि. अमरपुरा जागीर
7 श्री प्रेम शंकर जोशी व.अ. राउमावि. पीथलपुरा
8 श्री गिरधारी लाल व.अ. राउमावि. आकोला

—: सहयोगकर्ता :—

1 श्री पारस कोठारी प्रधानाचार्य राउमावि.लूणदा
2 श्री राजेन्द्र प्रसाद व्यास व्याख्याता चराउमावि.कानोड़

CEO BHINDER

अनुक्रमणिका

क्र.स.	पाठ का नाम	पृ.स.
1	एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	1–2
2	स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खण्डन –महावीर प्रसाद द्विवेदी	3–4
3	आखिरी चट्टान– मोहन राकेश	4–5
4	ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से – रामधारी सिह दिनकर	5–7
5	सड़क सुरक्षा	7–8
6	प्रभो – जयशंकर प्रसाद	8–10
7	अभी न होगा मेरा अन्त ,मातृभूमि –सूर्यकान्त त्रिपाठी	11–13
8	झाँसी की रानी – सुभद्रा कुमारी चौहान	14–16
9	उषा की लाली ,कल और आज – नागार्जुन	17–19
10	समास, वाक्य शुद्धि	20–23
11	मुहावरे एंव लोकोक्तियाँ	24–27

CBSE BHINDER

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु प्रश्न बैंक
अनिवार्य हिन्दी
कक्षा 10वीं

एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र का जन्म कहाँ व कब हुआ था ?

उत्तर :- काशी, 1850 में ।

2. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा बनारस में स्थापित हाई स्कूल अब किस नाम से जाना जाता है ?

उत्तर :- हरिश्चन्द्र कॉलेज ।

3. वर्तमान हिन्दी गद्य का प्रवर्तक किसे माना जाता है ?

उत्तर :- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

4. हरिश्चन्द्र का देहावसान कब हुआ तथा उस समय उनकी आयु कितनी थी ?

उत्तर :- 1885 ईस्वी में, 35 वर्ष।

5. हरिश्चन्द्र की देश सेवा और साहित्य सेवा से प्रभावित होकर उस युग की जनता ने उन्हें किस उपाधि से सुशोभित किया ?

उत्तर :- भारतेन्दु।

6. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने किन दो पत्रिकाओं का सम्पादन किया ?

उत्तर :- कविवचन सुधा और हरिश्चन्द्र मैगजीन।

7. 'पर्यंक' शब्द का अर्थ क्या होता है ?

उत्तर :- पलंग।

8. स्वाँस–स्वाँस पर हरि भजो वृथा स्वाँस मत खोय– पंक्ति में रेखांकित शब्द का अर्थ बताइए ?

उत्तर :- याद करना / स्मरण करना।

9. लेखक हरिश्चन्द्र के मन में प्रथम विचार क्या बनाने का आया ?

उत्तर :- देवालय।

10. उद्दण्ड पंडित कहाँ से बुलवाए गए थे ?

उत्तर :- हिमालय की कन्दराओं से।

11. ज्योतिष विद्या में कुशल पण्डित का नाम क्या था ?

उत्तर :- लुप्तलोचन ज्योतिषाभरण।

12. लेखक की अपूर्व पाठशाला में नियुक्त प्रथम अध्यापक का नाम क्या था ?

उत्तर :- पण्डित मुग्धमणि शास्त्री।

लघूत्तरात्मक प्रश्न :–

1. लेखक ने देवालय बनाने का विचार क्यों त्याग दिया ?

CBEO BHINDER

उत्तर :- लेखक ने देवालय बनाने का विचार इसलिए त्याग दिया क्योंकि उन्हें थोडी ही देर में समझ में आ गया कि इन दिनों की सभ्यता के अनुसार इससे बडी कोई मूर्खता नहीं, और यह तो मुझे भली भाँति मालूम है कि यही अंग्रेजी शिक्षा रही तो मंदिर की ओर मुख फेर कर भी कोई नहीं देखेगा।

2. पण्डित प्राणांतकप्रसाद की क्या क्या विशेषताएं बताई गई है ?

उत्तर :- पण्डित प्राणांतकप्रसाद भी प्रशंसनीय पुरूष है। जब तक घट में प्राण है, तब तक न किसी पर इनकी प्रशंसा बन पड़ी, न बन पड़ेगी। ये महावैद्य के नाम से इस संसार में विख्यात है । चिकित्सा में ऐसे कुशल है कि चिता पर चढते चढते रोगी इनके उपकार का गुण नहीं भूलता । कोई कितना ही रोग से पीड़ित क्यों न हो, क्षण भर में स्वर्ग के सुख को प्राप्त होता है।

3. पुस्तक लेखन के विचार पर लेखक क्यों सहम गया ?

उत्तर :- पुस्तक लेखन के विचार पर लेखक सहम गया क्योंकि इस विचार में बड़े काँटे निकलने की संभावना थी क्योंकि पुस्तक लिखने की देर न होगी कि कीट 'क्रिटिक' काट कर आधी से अधिक निगल जायेंगे और इसमें लोग कई तरह के अवगुण निकालेंगे जिससे यश के स्थान पर शुद्ध अपयश प्राप्त होगा।

4. पण्डित लुप्तलोचन ज्योतिषाभरण ज्योतिष विद्या में किस प्रकार कुशल थे ? लिखिए।

उत्तर :- ये ज्योतिष विद्या में अति कुशल व बड़े उद्दंड पण्डित है। कुछ नवीन तारे भी गगन में जाकर ये ढूँढ आये हैं और कितने ही नवीन ग्रंथों की भी इन्होने रचना कर डाली है। उनमे से 'तामिस्त्र मकरालय' प्रसिद्व और प्रशंसनीय है यद्यपि इनको विशेष दृष्टि नहीं आती, परन्तु तारे इनकी आँखो में भली–भाँति बैठ गये है।

5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा लिखित प्रमुख नाटकों के नाम लिखिए ?

उत्तर :- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा लिखित प्रमुख नाटक – वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, कर्पूर मंजरी, सत्य हरिश्चन्द्र, चन्द्रावली नाटिका, भारत दुर्दशा, अंधेर नगरी, नीलदेवी, मुद्राराक्षस आदि।

6. लेखक की अपूर्व पाठशाला में नियुक्त किये गये मुख्य अध्यापकों का नामोल्लेख कीजिए ?

उत्तर :- पंडित मुग्धमणि शास्त्री तर्क वाचस्पति, पाखंडप्रिय धर्माधिकारी अध्यापक धर्मशास्त्र, प्राणांतकप्रसाद वैयाकरण अध्यापक वैद्यकशास्त्र, लुप्तलोचन ज्योतिषाभरण अध्यापक धर्मशास्त्र, शीलदावानल नीतिदर्पण आदि ।

7. अपूर्व पाठशाला के प्रथम अध्यापक पंडित मुग्धमणि शास्त्री की क्या क्या विशेषताएँ थीं। लिखिए ?

उत्तर :- पंडित मुग्धमणि शास्त्री बिना प्रयास ही हाथ लग गये जिनको सतयुग के आदि में इन्द्र अपनी पाठशाला के निमित समुद्र और वन जंगलो में खोजता फिरा, अन्त में हार मानकर वृहस्पति को रखना पड़ा। हम फिर भी कहते है कि यह हमारे भाग्य की महिमा थी कि ये ही पण्डितराज मृगयाशील श्वान के मुख में शशी के धोखे बद्रिकाश्रम की एक कन्दरा में से पड़ गये। इनकी बुद्दि और विद्या की प्रशंसा करने में सरस्वती भी लजाती है। इनके थोडे ही परिश्रम से पण्डित मूर्ख और अबोध पण्डित हो जायेंगे।

8. भारतेन्दु की भाषा शैली पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ?

उत्तर :- भारतेन्दु की भाषा में संस्कृत के तत्सम व तद्भव शब्दों की ही बहुतायत है, लोकोक्तियों और मुहावरों के प्रयोग से उनकी भाषा में और भी लालित्य आ गया है। स्थान – स्थान पर रोचकता बढाने के लिए उन्होंने हास्य और व्यंग्य के भी प्रयोग किए हैं।

ईदगाह

मुंशी प्रेमचंद

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1– मुंशी प्रेमचंद का जन्म कब हुआ था् ?
उत्तर– 1880 ई. में
2– प्रेमचंद का बचपन का मूल नाम क्या था ?
उत्तर– धनपतराय
3– मुंशी प्रेमचंद को ''उपन्यास सम्राट'' की उपाधि किसने दी थी
उत्तर– श्री शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय
4–. प्रेमचंद के पहले कहानी संग्रह का क्या नाम है ?
उत्तर– सोजे वतन
5– ''ईदगाह'' कहानी कौनसे विज्ञान पर आधारित हैं ?
उत्तर– बाल मनोविज्ञान पर आधारित हैं।
6– गांव से ईदगाह कितनी दूर था ?
उत्तर–तीन कोस
7– ''ईदगाह'' कहानी का प्रमुख पात्र बालक कौन हैं ?
उत्तर– ईदगाह कहानी का प्रमुख पात्र बालक हामिद हैं।
8– ''ईदगाह'' कहानी में किसका चित्रण किया गया है ?
उत्तर– ईदगाह कहानी में ''ईद'' जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार के आधार पर ग्रामीण मुस्लिम जीवन का सुन्दर चित्रण किया गया है।
9– हामिद के पिता की मृत्यु किस कारण हुई थी ?
उत्तर– हामिद के पिता की मृत्यु हैजे के प्रकोप से हुई थी।
10– बूढ़ी अमीना ने हामिद को उसके माता–पिता के बारे में क्या बताया था ?
उत्तर– अमीना ने हामिद को बताया था कि उसका पिता रूपया कमानें गया है और माता अल्लाह मिंया के घर अच्छी अच्छी चीजे लेने गई हैं।
11– बूढी अमीना कोठरी में बैठी क्यों रो रही थी ?
उत्तर– आज ईद का दिन हैं और उसके घर में अनाज का दाना नहीं इससे अमीना कोठरी में बैठी रो रही थी।
12– नूरे और मोहसिन ने कौन–कौन से खिलौने खरीदें ?
उत्तर– नूरे ने वकील वाला खिलौना तथा मोहसिन ने भिश्ती वाला खिलौना खरीदा।
13– लोहे की दुकान पर कई चिमटे देखकर हामिद ने क्या सोचा ?
उत्तर– हामिद ने सोचा कि रोटियां पकाते समय दादी के हाथ जल जाते हैं; यदि वह चिमटा ले जाकर दादी को दे दे, तो वह कितनी प्रसन्न होंगी।
14– दुकानदार ने चिमटे की कीमत बतायी, तो हामिद का दिल क्यों बैठ गया ?
उत्तर– हामिद के पास तीन पैसे थे, जबकि दुकानदार चिमटों की कीमत छह पैसे बता रहा था। इससे हामिद का दिल बैठ गया।

CBSE BINDER

15– किस बात पर बूढ़ी अमीना ने छाती पीट ली ?
उत्तर– हामिद के हाथ में चिमटा देखकर बूढ़ी अमीना ने छाती पीट ली कि सारे मेले में से उसने चिमटा ही लिया।

<u>लघूत्तरात्मक प्रश्न</u>

1– ईद किस महीने में आती हैं ?
उत्तर– रमजान के महीने में रोजे रखे जाते हैं। जो पूरे महीने रखे जाते है। महीने की समाप्ति पर अर्थात सव्वाल के पहले दिन आती हैं। इस प्रकार सव्वाल के महीने के प्रथम दिन ईद मनायी जाती हैं।
2– ''ईदगाह'' किस लेखक की रचना हैं ?
उत्तर– ''ईदगाह'' बाल मनोविज्ञान पर आधारित कहानी है। यह कहानी सुप्रसिद्ध कथाकार मुंशी प्रेमचंद की रचना है।
3– हामिद के चरित्र की कोई तीन विशेषताऐं बताइये ?
उत्तर– ईदगाह कहानी में बालक हामिद को इसके नायक के रूप में चित्रित किया गया है। उसके चरित्र में अनेक विशेषताऐं बतायी गई हैं जिनमें से तीन विशेषताऐं इस प्रकार है
1– विवेक, बुद्धिवाला
2–भावुक, स्नेही
3–सहनशील
4– मुंशी प्रेंमचंद ने अपने साहित्य में किन–किन कुरीतियों का मार्मिक चित्रण किया है ?
उत्तर– प्रेमचंद ने अपने साहित्य में किसानों, दलितों, नारियों की वेदना और जाति–व्यवस्था की कुरीतियों का मार्मिक चित्रण किया है।
5– प्रेमचंद की प्रमुख कृतियों का विवरण लिखिए ?
उत्तर– कहानी संग्रह – मानसरोवर आठ भाग
उपन्यास– निर्मला, सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कर्मभूमि, गोदान, गबन
नाटक– कर्बला, संग्राम
पत्रिकाए– माधुरी, हंस, मर्यादा, जागरण
6– हामिद ने चिमटे की उपयोगिता सिद्ध करते हुए क्या–क्या तर्क दिए?
उत्तर– हामिद ने चिमटे के पक्ष में तर्क दिये जो इस प्रकार हैं–
1– कन्धे पर रख लो तों चिमटा बन्दूक हो जायेगा
2– हाथ में लेनें पर फकीरों का चिमटा हो जायेगा।
3– यह आग निकालने और रोटी सैंकने के काम में भी आयेगा।
4– यह लोहे का होने से मजबूत भी है
7– ईदगाह की व्यवस्था के बारे में बताइये?
उत्तर– ईदगाह मे इमली के घनें वृक्षों की छाया/नीचे पक्का फर्श हैं,जिस पर जाजिम विछा हुआ है। रोजेदारों की पंक्तियां एक के पीछें एक– अनुशासन का पूरा ध्यान रखा जाता है जिसको जँहा स्थान मिला वो वही खड़ा हो जाता है।ईस्लाम की निगाह में सब बराबर हैं।
8– हामिद के अतिरिक्त इस कहानी में किस पात्र ने आपके दिल को छुआ और क्यों?
उत्तर–ईदगाह कहानी में हामिद के अतिरिक्त बूढ़ी अमीना ने हमें सर्वाधिक प्रभावित किया है। वह गरीब और बूढी है। उसके बेटा–बहू मर चुके हैं ऐसी स्थिति में वह बालक हमीद की पूरी देखभाल करती है। वह उसे हर प्रकार से खुंश रखने का प्रयास करती है। वह स्वरोजगार द्वारा घर का खर्चा चलाती है।

CBSE BINDER

9– ''बुढ़िया का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया,'' और स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में विखेर देता हैं। यह मूक स्नेंह था, खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ। इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट करिये?
उत्तर– ईदगाह कहानी के प्रमुख पात्र हामिद ने जब चिमटा खरीदकर अपनी दादी को दिया तो दादी को क्रोध आ गया। हामिद ने कहा कि तुम जब रोटी बनाती हो तब तुम्हारे हाथ जल जाते हैं इसलिए मैंनें चिमटा खरीदा यह सुनकर बुढ़िया का क्रोध स्नेह में बदल गया और यह स्नेह दिखावटी नहीं था वरन आत्मिक था। दादी का स्नेह सहज था।

स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खण्डन

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u> :–

1) महावीर प्रसाद द्विवेदी ने किस पत्रिका का संपादन किया ?
(क) माधुरी (ख) जागरण (ग) कवि वचन सुधा (घ) सरस्वती (घ)

2) शकुन्तला ने किस भाषा में श्लोक कहा ?
(क) अपभ्रंश (ख) प्राकृत (ग) शौर सैनी (घ) पाली (ख)

<u>अति लघूत्तरात्मक प्रश्न</u> :–

3) बौद्ध धर्म के त्रिपिटक ग्रंथ की भाषा क्या है ?
उत्तर – प्राकृत

4) रुक्मणी हरण की कथा कहाँ मिलती है ?
उत्तर – श्रीमद्भागवत, दशम स्कन्ध के उत्तरार्द्ध के तरेपनवे अध्याय में

5) स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खण्डन पाठ में आये प्राचीन कालीन विदुषी महिलाओं के नाम लिखो ?
उत्तर – शीला, विज्जा, विश्ववरा, अहल्या, शकुन्तला, गार्गी, रुक्मणी आदि ।

6)शकुन्तला ने दुष्यन्त के विषय में दुर्वाक्य क्यों कहे ?
उत्तर – शकुंतला जब अपने पति राजा दुष्यन्त के पास गई तब उसने ऋषि दुर्वासा के श्राप के कारण शकुंतला को नहीं पहचाना । इसलिए क्रोधित होकर शकुंतला ने दुष्यन्त को दुर्वाक्य कहे ।

7) नाट्य शास्त्र संबन्धी नियमों में स्त्री पात्रों के लिए कौनसी भाषा निर्धारित की गई है ?
उत्तर – प्राकृत भाषा ।

8) सीता ने लक्ष्मण के माध्यम से राम को क्या कहलवाया ?
उत्तर – सीता ने अपनी स्वतंत्र सोच का परिचय देते हुए लक्षमण से कहा कि जरा उस राजा से कह देना कि मैंने तो तुम्हारी आँखों के सामने ही आग में कूदकर अपनी विशुद्धता साबित कर दी थी, जिस पर भी लोगों के मुख से निकले मिथ्यावाद सुनकर तुमने मुझे त्याग दिया ।

9) लेखक ने ऐसा क्यों कहा कि " प्राकृत बोलना अपढ़ होने का प्रमाण नहीं है ?
उत्तर– क्योकि उस समय देश मे प्राकृत बोलने का प्रचलन था।प्राकृत भाषा मे ही जैन व बौद्ध धर्म के त्रिपिटक ग्रन्थों की रचना की गई। प्राचीन काल में देश के गिने चुने लोगो के अतिरिक्त सभी लोग प्राकृत भाषा ही बोलते थे। नाट्य शास्त्र के विद्वानों ने स्त्रियों के लिए प्राकृत भाषा का ही निर्धारण किया था। अतः प्राकृत भाषा अपढ़ होने का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

10) पुराणो में स्त्री शिक्षा का उल्लेख क्यों नही मिलता है?

CBEO BINDER

उत्तर– प्राचीन काल में साहित्य संरक्षण का अभाव था। उस समय आज की तरह स्त्रियों के लिए बड़े–बड़े विद्यालय और विश्वविद्यालय नही थे। संभव है स्त्री शिक्षा के कोई प्राचीन प्रमाण हों, लेकिन समयानुसार नष्ट हो गये हों । इस कारण आज स्त्री शिक्षा का उल्लेख नहीं मिलता।

11) आदि जगद्गुरु शंकराचार्य से किस महिला ने शास्त्रार्थ किया था।

उत्तर– मण्डन मिश्र की पत्नी उभय भारती ने।

12) आजकल की प्राकृत भाषाएं कौनसी है ?

उत्तर– हिन्दी, बांग्ला आदि भाषाएं आजकल की प्राकृत भाषाएं है।

13) बौद्ध धर्म ग्रंथ त्रिपिटक में किस गाथा में सैंकड़ों महिलाओं की पद्य रचना उद्धृत है?

उत्तर– थेरी गाथामें।

14) समाज में किस तरह के लोगों का तिरस्कार करना चाहिए ?

उत्तर – स्त्री शिक्षा के विरोधी लोगों का।

15) भगवान शाक्य मुनि और उनके शिष्य किस भाषा में उपदेश देते थे ?

उत्तर – प्राकृत भाषा में।

आखिरी चट्टान
लेखक – मोहन राकेश

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u> –

प्रश्न – 1 सुनहले सूर्योदय और सूर्यास्त की भूमि है :–

(क) हिन्द महासागर(ख) अरब सागर (ग) बंगाल की खाड़ी(घ) कन्या कुमारी (घ)

प्रश्न – 2 मोहन राकेश ने किस कहानी पत्रिका का संपादन किया ?

(क) सारिका (ख) दिनमान (ग) धर्मयुग (घ) कल्पना (क)

<u>अति लघूत्तरात्मक प्रश्न</u> : –

प्रश्न – 3 कन्याकुमारी में किन तीन सागरों का संगम होता है ?

उत्तर – कन्याकुमारी में हिन्द महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी का संगम होता है।

प्रश्न – 4 विवेकानन्द ने कहाँ समाधि लगायी थी ?

उत्तर – कन्याकुमारी में हिन्द महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के संगम स्थल पर स्थित चट्टान पर समाधि लगाई थी, जिसे आखिरी चट्टान के नाम से जाना जाता है।

प्रश्न – 5 लेखक के अनुसार झुरमुट किन पेड़ों के दिखाई दे रहे थे ?

उत्तर – लेखक को नारियल के पेड़ों के झुरमुट दिखाई दे रहे थे।

प्रश्न – 6 कनानोर के होटल में लेखक क्या भूल आया था ?

उत्तर – लेखक ने अपनी यात्रा के दौरान कनानोर में रहकर (17 दिन तक) जो अस्सी–नब्बे पन्नों में अपना अनुभव लिखा था, उन अस्सी–नब्बे पन्नों को मेज की दराज में रखकर होटल में भूल आया था।

प्रश्न – 7 कन्या कुमारी भारत के किस राज्य में स्थित है ?

उत्तर – कन्या कुमारी भारत के तमिलनाडु राज्य में स्थित है।

प्रश्न – 8 सूर्यास्त के समय समुद्र के पानी का किन विविध रंगों में परिवर्तन हुआ ?

उत्तर –सूर्यास्त के समय लेखक ने देखा कि सूर्य का गोला पानी की सतह को छू गया है, और दूर–दूर तक जैसे सोना–ही–सोना ढुल गया है। धीरे–धीरे सूर्य का गोला डूबता जा रहा था,

CBSE BINDER

उसके साथ ही पानी का सुनहरा रंग अब लाल होने लगा था, जैसे पानी में अब लहू बह रहा था। यह लहू भी बैंगनी रंग में बदला और बैंगनी रंग काले में परिवर्तित होने लगा।

प्रश्न – 9 सूर्यास्त के बाद लेखक के मन में क्या डर समाया ?

उत्तर – सूर्यास्त के बाद लेखक को लगा कि समुद्र की जल सतह बढ़ रही है। तट की चौड़ाई धीरे–धीरे कम होती जा रही है। उसे लगा कि तट का सिर्फ चार–पांच फुट हिस्सा ही पानी से बाहर है। उसे लगा जैसे जल्दी ही पानी उसे अपने अन्दर समा लेगा।

प्रश्न – 10 सूर्योदय कालीन क्षणों में लेखक ने क्या देखा ?

उत्तर – सूर्योदय कालीन क्षणों में लेखक ने देखा कि पानी और आकश में तरह–तरह के रंग झिलमिला रहे हैं। नवयुवतियाँ अपनी टोकरियों से शंख और माला दिखा रही थीं, कई लोग अपने दूरबीन से सूर्य दर्शन भी कर रहे थे।

प्रश्न –11 ग्रेजुएट नवयुवक से लेखक की क्या बातचीत हुई ?

उत्तर – ग्रेजुएट नवयुवक से लेखक ने वहां की जीवन शैली के बारे में बातचीत की। वहां की बेकारी और रोजगार के बारे में बातचीत हुई।

प्रश्न – 12 कन्या कुमारी में लोग सूयास्त कहाँ से देखते हैं ?

उत्तर –कन्या कुमारी जानें वाले सैलानी एक ऊँचे रेतीले टीले पर से देखते थे, जिसका नाम 'सेण्ड हिल' था।

प्रश्न – 13 आध्यात्मिक दृष्टि से कन्याकुमारी का क्या महत्व है ?

उत्तर – कन्या कुमारी भारत का आखिरी छोर है। यहां मन्दिर और वह चट्टान है जिस पर स्वामी विवेकानन्द ने समाधि लगाई थी। यह साधना स्थली होने के कारण आध्यात्मिक महत्व रखती है।

"ईर्ष्या, तू न गई मेरे मन से"
रामधारी सिंह दिनकर

<u>अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नोत्तर</u>

1. 'ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से 'निबंध किस पुस्तक में संकलित है ?

उ. अर्ध्दनारीश्वर

2. लेखक ने ईर्ष्या की बेटी का नाम क्या बताया है ?

उ. निन्दा

3. दिनकर की कौनसी रचना को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है ?

उ. उर्वशी

4 ईर्ष्या का काम जलाना है मगर सबसे पहले वह उसी को जलाती है, लेखक के अनुसार ईर्ष्या किसे जलाती है ?

उ. जिसके हृदय में उसका जन्म हुआ है।

5 दिनकर ने ईर्ष्या से बचने का क्या उपाय बताया है ?

उ. मानसिक अनुशासन

6 मैथिलीशरण गुप्त के बाद दूसरा राष्ट्रकवि कौन है ?

उ. रामधारी सिंह दिनकर

7 भारत सरकार ने दिनकर को किस पुरस्कार से सम्मानित किया ?

CEO BINDER

उ. पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित।

8 "तुम्हारी निन्दा वही करेगा,जिसकी तुमने भलाई की है" यह कथन किस महापुरूष का है?

उ ईश्वर चन्द्र विद्यासागर

9 दिनकर ने जहर की चलती फिरती गठरी के समान किसे बताया ?

उ. ईर्ष्या से जला भुना आदमी जहर की गठरी के समान है।

10 नीत्से ने मक्खियाँ किनको बताया है ?

उ नीत्से ने निन्दकों को मक्खियाँ बताया।

11 रामधारी सिहं दिनकर का जन्म कब व कहाँ पर हुआ ?

उ दिनकर का जन्म 1908 ई. में बिहार के सिमरिया में हुआ।

12 ईर्ष्या लाभदायक कब हो सकती है ?

उ जब व्यक्ति ईर्ष्या से प्रेरणा लेकर रचनात्मक कार्य करने लगें।

13 "ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है" दिनकर ने ईर्ष्या का अनोखा वरदान क्या बताया है ?

उ आपसी होड़ अथवा प्रतिस्पर्धा।

<u>लघूत्तरात्मक प्रश्नोत्तर</u>

14 दिनकर ने ईर्ष्यालु व्यक्ति के क्या लक्षण बताए है ?

उ लेखक ने ईर्ष्यालु व्यक्ति के लक्षण बताते हुए कहा है कि ईर्ष्यालु व्यक्ति उन चीजों से आनन्द नहीं उठाता जो उसके पास है, अपितु वह उन वस्तुओं से दुःख उठाता है जो दूसरो के पास है वह आदत से लाचार रहता है। ईर्ष्या के दंश एवं वेदना से अकारण ग्रस्त रहता है। वह अपनी उन्नति के लिए उद्यम प्रयास कर दूसरो को हानि पहुँचाने को ही अपना श्रेष्ठ कर्तव्य मानता है

15 जिनका चरित्र उन्नत है, वे ईर्ष्यालु लोगो के सम्बन्ध में क्या कहते है ?

उ उन्नत चरित्र के लोग स्वभाव से सहनशील एवं विचारवान होते है वे अच्छी तरह जानते है कि ईर्ष्यालु व्यक्ति का हृदय जलन एवं निंदा से भरा हुआ है। उन्नत चरित्र के लोग सोचते है कि "इन बेचारों की बातो से क्या चिढना ? ये तो खुद ही छोटे हैं।"

16 "तुम्हारी निंदा वही करेगा जिसकी तुमने भलाई की है"। कथन को स्पष्ट करें।

उ जिस व्यक्ति की तुम भलाई करोगे वही व्यक्ति तुम्हारी निंदा करेगा क्योंकि सम्बन्धित व्यक्ति तुम्हारा सामीप्य प्राप्त कर तुम्हारें बारें में सब कुछ जान लेगा और उसके मन से व्यक्तित्व का वह प्रभाव समाप्त हो जाएगा जो दूसरों के मन पर अभी तक पड़ा हुआ है। काम पड़ने पर तो वह प्रशंसा करेगा, हर समय आगे पीछे रहेगा परन्तु काम बन जाने पर या पीठ पीछे वह निंदा करता रहेगा।

17 दिनकर के अनुसार शरीफ लोग क्या सोचते हुए अपना सिर खुजलाते रहते है ?

उ शरीफ लोग सदा दूसरों का हित साधते है परन्तु जब ईर्ष्यालु लोग उनसे जलते है तब शरीफ लोग यह सोचते हुए अपना सिर खुजलाते रहते है कि फलां आदमी मुझसे क्यों जलता

CBEO BINDER

है जबकि मैंने उसका कुछ नहीं बिगाड़ा और अमुक व्यक्ति इस कदर निंदा में क्यों लगा हुआ है ? सच तो यह है कि मैंने सबसे अधिक भलाई उसकी ही की है।

18 दिनकर के पड़ोसी वकील के मन में कौनसा दाह है ?

उ लेखक का पड़ोसी वकील सब सुविधाओं से सम्पन्न एवं सुखी है किन्तु उसके बगल में जो बीमा एजेन्ट रहता है उसके धन वैभव की वृद्वि को देखकर वकील साहब का कलेजा जलता है। वह इस चिन्ता में रहता है कि काश! बीमा एजेन्ट की मोटर, उसकी मासिक आय और उसकी तड़क भड़क मेरी भी हुई होती। इस तरह उसके मन मे ईर्ष्या का दाह है ।

19 नीत्से ने ईर्ष्यालु लोगो से बचने के क्या उपाय बताये है ?

उ नीत्से कहता है कि "बाजार की मक्खियों को छोड़कर एकान्त की ओर भागो जो कुछ भी अमर तथा महान है उसकी रचना और निर्माण बाजार के सुयश से दूर रहकर किया जाता है। जो लोग नये मूल्यों का निर्माण करने वाले होते है, वे बाजारों मे नहीं बसते, वे शोहरत के पास भी नहीं रहते।" जहां बाजार की मक्खियां नहीं भनकती, वहां एकांत है।

20 चिन्ता को लोग चिता कहते है। इसके समर्थन में अपनी बात रखते हुए स्पष्ट कीजिए।

उ चिन्ता को चिता के समान बताया गया है यह कथन पूर्णतः सत्य है क्योंकि जिस व्यक्ति का मन सदा ही चिन्ता से सतंप्त रहता है उसकी मानसिक दशा ठीक नहीं रहती एवं उसके सारे मौलिक गुण भी कुंठित हो जाते है। चिता में चढ़ने पर कुछ क्षणों में ही शरीर जलकर नष्ट हो जाता है परन्तु चिंता में पड़ने पर शरीर जिंदा रहकर एकदम दयनीय बन जाता है। इस प्रकार यह कथन सत्य है कि चिन्ता को चिता के समान माना जाता है।

21 मनुष्य के पतन का कारण क्या है ? आप अपने जीवन में पतन से किस प्रकार बचेंगे ? "ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से " पाठ के अनुसार।

उ किसी के द्वारा निंदा करने से किसी मनुष्य का पतन नहीं होता। पतन का कारण उसका अपना आचरण होता है। सदगुणों के नष्ट होने से मनुष्य का पतन होता है। हम अपने चरित्र का विकास करके पतन से बच सकते है। हमें अपने अन्दर सदगुण उत्पन्न करनें चाहिए एवं अवगुणों से दूर रहना चाहिए।

सड़क सुरक्षा

1. वेलु गाँधी ने किसे पत्र लिखा था ?

उत्तर :- निखिल को।

2. शराब पीकर गाड़ी कौन चला रहा था ?

उत्तर :- नरेन्द्र।

3. सभी साथी किस अवसर पर पार्टी कर रहे थे ?

उत्तर :- नव वर्ष के स्वागत की।

4. जतिन किस चीज की पढ़ाई कर रहा था ?

उत्तर :- इंजिनियरिंग।

5'हॉर्न' पर प्रतिबंध का यातायात संकेत कौनसा है ?

उत्तर :-

6. यातायात संकेत किसका है ?

उत्तर :- ' U मोड़ पर प्रतिबध '।

7. यातायात संकेत किसका है ?

उत्तर :- 50 km गति सीमा का ।

8. 'दाहिने मोड़' पर प्रतिबंध का यातायात संकेत कौनसा है ?

उत्तर :-

9. अचानक गाड़ी किससे टकरा गई ?

उत्तर :- फ्लाई ओवर से ।

10. राजू ने पत्र पढ़कर किसकी ओर प्रश्नसूचक दृष्टि से देखा ?

उत्तर :- निखिल की ओर।

<u>लघूत्तरात्मक प्रश्नोत्तर</u>

11 कहानी में हुई दुर्घटना का क्या कारण था ?

उत्तर :- दुर्घटना का कारण नववर्ष के स्वागत में हुई पार्टी थी। जिसमें शामिल होने के लिए नरेन्द्र ने चारों मित्रों को अपनी गाड़ी में चलने का सुझाव दिया। पार्टी में जबरदस्ती नरेन्द्र को शराब पिला दी। रात को दो बजे उन्होने वापस जाने का निश्चय किया, उस समय घना कोहरा भी छाया हुआ था। नरेन्द्र की आँखे नींद से भरी हुई थी, जिससे गाड़ी अचानक फ्लाई ओवर से टकरा गई।

12. जतिन के माता–पिता ने उसका पालन पोषण कैसे किया था ?

उत्तर :- जतिन अपने पिता का इकलौता बेटा था। उसके पिता पोस्ट ऑफिस में क्लर्क की नौकरी करते थे। उसके माता पिता पेट काटकर जतिन की पढाई की फीस भरते थे। वे चाहते थे कि जतिन इंजिनियर बनकर हमारे जीवन का आधार बने।

13 'सडक सुरक्षा' से सम्बंधित किन्ही तीन कर्त्तव्यों को लिखिए ?

उत्तर :-

1. जब तक गाड़ी चलाने का लाइसेंस न मिले, गाड़ी न चलाना।
2. नशीले पदार्थों के सेवन से सड़क दुर्घटनाओं के दुष्परिणामों के बारे में बताना।
3. दुर्घटना में घायल लोगों की उचित सहायता करना।

CBSE BHINDER

14. शराब के सेवन करने के क्या–क्या दुष्परिणाम हो सकते है ?

उत्तर :- शराब का सेवन करके गाड़ी चलाने से हमेशा दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है।

- शराब का सेवन करने से व्यक्ति कई बीमारियों से ग्रसित हो जाता है।
- शराब का सेवन करने से व्यक्ति को आर्थिक व सामाजिक रूप से भी क्षति पहुँचती है।

- **सूरदास**
-

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न–

- 1.कृष्ण "गौरी" सम्बोधन किसके लिये कर रहे हैं ?
- उत्तर– कृष्ण "गौरी" सम्बोधन राधा के लिये कर रहे हैं।
- 2 'नागर नवल किशोर ' विशेषण किसके लिये आया है?
- उत्तर– 'नागर नवल किशोर विशेषण कृष्ण के लिये आया है।
- 3– कृष्ण ने गोपियों का क्या चुरा लिया था?
- उत्तर– कृष्ण ने गोपियों का मन चुरा लिया था।
- 4–सारे बन्धन तोड़कर कृष्ण कहाँ चले गये?
- उत्तर– सारे बन्धन तोड़कर कृष्ण मथुरा चले गये ।
- 5 –श्री कृष्ण ने भोली राधा को किस प्रकार बहकाया?
- उत्तर– श्री कृष्ण ने भोली राधा को चतुराई भरी मीठी बातों से बहका लिया।
- 6–गोपियाँ कृष्ण पर क्या आरोप लगाती हैं?
- उत्तर– गोपियाँ कृष्ण पर आरोप लगाती हैं कि वह उनके मन को चुराने वाले चोर हैं।
- 7– गोपियों को भ्रमर के रूप में कौनसा दूत मिला?
- उत्तर–– गोपियों को भ्रमर के रूप में श्री कृष्ण के दूत उद्धव मिले।
- 8– श्री कृष्ण ने राधा से क्या पूछा?
- उत्तर– श्री कृष्ण ने राधा से पूछा कि वह कौन है, कहाँ रहती है और वह किसकी बेटी है।
- 9– कृष्ण ने गोपियों को कैसे पीड़ित किया?
- उत्तर– कृष्ण गोपियों को छोड़कर मथुरा में जा बसे व उनके सन्देशों के उत्तर भी नही दिये।
- 10– "मन माने की बात "कथन से गोपियों का क्या अभिप्राय है?
- उत्तर– इस कथन से गोपियों का अभिप्राय है कि जिसका मन जिससे लगा है उसे वही सुहाता है
- दूसरी बात उसे अच्छी नहीं लगती।
- 11–"विषकीरा " क्या करता है?

CBEO BHINDER

- उत्तर–विष का कीड़ा अंगूर और छुआरे जैसे मधुर फल को छोड़कर विष का ही भक्षण करता है।
- लघूत्तरात्मक प्रष्न–
- 12–"कागद गरे मेघ मसि खूटी" कथन का क्या आशय है?
- उत्तर–गोपियाँ कहती हैं कि मथुरा में सारे कागज पानी में भीगकर गल गयें हैं या स्याही समाप्त हो गयी है। इसलिये श्री कृष्ण गोपियों के प्रश्न का उत्तर नही भेज रहें हैं। इस कथन में गोपियाँ श्री कृष्ण पर व्यंग्य कर रही है।
- 13– कठोर काठ में छेद करने वाला भौंरा क्या नहीं कर पाता व क्यों ?
- उत्तर– भौंरा कठोर लकड़ी में भी छेद करने की शक्ति रखता है परन्तु वह कोमल कमल की पंखुड़िया में बन्द हो जाता है क्योंकि वह कमल से प्रेम करता है।
- 14– उद्धव ने गोपियों को क्या उपदेश दिया ?
- उत्तर – उद्धव नें गोपियो को कृष्ण को भुलाकर योग साधना में मन लगाने का सन्देश दिया ।
- 15– उद्धव के उपदेश का गोपियों ने क्या उत्तर दिया ?
- उत्तर– गोपियों ने कहा कि उद्धव जी यह तो मन मानने की बात है । जिसका मन जिससे लग जाये उसे वही प्यारा लगता है जैसे विष का कीड़ा अंगूर और छुआरे जैसे मधुर फल को छोड़कर विष का ही भक्षण करता है।
- 16–राधा ने नन्द के पुत्र के बारे में क्या सुना था ?
- उतर – राधा ने सुना था कि नन्द जी का लड़का माखन और दही की चोरी करता फिरता है।
- 17– पतंगा दीपक के पास क्यों जाता है ?
- उत्तर– पतंगा दीपक से प्रेम करता है व दीपक की लौ से लिपटने में ही अपनी भलाई मानकर भस्म हो जाता है ।
- 18– श्याम ने किसको सिखाकर अपने वश में कर लिया ?
- उत्तर– श्याम ने गोपियों का सन्देश ले जाने वाले सन्देश वाहकों को सिखाकर अपने वश में कर लिया।
- 19– सूरदास का जन्म कब व कहाँ हुआ ?
- उत्तर – सूरदास का जन्म संवत् 1540 में आगरा और मथुरा मार्ग के बीच रुनकता गाँव में हुआ था ।
- 20– सूरदास किस भाव से पदों का गान करते थे ?
- उत्तर– सूरदास दास्य एवं भक्ति भाव से पदो का गान करते थे ।
- 21– सूरदास की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखो ?
- उत्तर– सूरदास की प्रमुख रचनाओं के नाम सूरसागर , साहित्य लहरी और सूर सारावली है।

CBEO BINDER

तुलसीदास

अति लघूत्तरात्मक

- 1– "नाथ संभु धनु भंजनिहारा" में नाथ शब्द किसके लिये प्रयुक्त हुआ है?
  उत्तर– यहाँ नाथ शब्द परशुराम जी के लिये प्रयुक्त हुआ है।
- 2– परशुराम विश्व में किस रुप में प्रसिद्ध थे?
  उत्तर – परशुराम विश्व में क्षत्रियों के शत्रु के रुप में प्रसिद्ध थे।
- 3– परशुराम ने लक्ष्मण को काल के वश में क्यो बताया ?
  उत्तर– परशुराम ने लक्ष्मण को काल के वश में बताया क्योंकि वह शिव के धनुष को अन्य सामान्य धनुषों के समान बता रहे थे ।

4– लक्ष्मण ने परशुराम के वचनों को कैसा बताया?
उत्तर– लक्ष्मण ने परशुराम के वचनों को करोड़ो वज्रों के समान कठोर बताया ।

5– "भृगुसुत" शब्द किसके लिये आया है ?
उत्तर– "भृगुसुत" शब्द परशुराम जी के लिये आया है।

6– " रघुकुल भानु" संज्ञा किस पात्र के लिये प्रयुक्त हुई है?
उत्तर– " रघुकुल भानु" संज्ञा राम के लिये प्रयुक्त हुई है।

7– "होइहि केउ एक दास तुम्हारा " राम ने इस पंक्ति में दास शब्द का प्रयोग किसके लिये किया है?
उत्तर– राम ने इस पंक्ति में दास शब्द का प्रयोग स्वयं के लिये किया है।

8– परशुराम ने धनुष तोड़ने वाले को अपना सेवक क्यो नहीं माना ?
उत्तर– परशुराम ने धनुष तोड़ने वाले को अपना सेवक इसलिये नहीं माना क्योंकि सेवक वह होता है जो सेवा करता है, गुरु के धनुष को तोड़ने वाला सेवक नहीं शत्रु है।

9– लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने का क्या कारण बताया है?
उत्तर– लक्ष्मण ने कहा कि राम ने धनुष को नया जानकर परखा था । परन्तु वह तो राम के छूते ही टूट गया।

10– परशुराम ने ब्राह्मणों को बार –बार क्या दान में दिया था?
उत्तर– परशुराम ने अपने पराक्रम से क्षत्रिय राजाओं का संहार करके उनकी भूमि बार–बार ब्राह्म्णों को दान दी।

11– परशुराम ने अपने फरसे की क्या विशेषता बताई?
उत्तर– परशुराम ने कहा कि यह फरसा सहस्त्रबाहु की हजार भुजाओं को काटने वाला है, लक्ष्मण इसे ध्यान से देख ले।

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

12–"इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाही" कहने से लक्ष्मण का क्या आशय है?
उत्तर–यहॉ लक्ष्मण कह रहें हैं कि वह कोई डरपोक व्यक्ति नहीं जो जरा सी धमकी देने से डर कर घबरा जाएँगे जैसे वह कोई छुईमुई का पौधा नहीं है जो अंगुली दिखाने से सिकुड़ जाएगा।

13–लक्ष्मण ने अपने कुल रघुवंश की क्या परम्परा बताई ?

GEOBINDER

उत्तर – लक्ष्मण ने कहा कि उनके वंश में देवताओं , ब्राह्मणों ,भगवान के भक्तों और गायों पर वीरता दिखाने की परंपरा नही है।

14– "मारतहुँ पा परीअ तुम्हारे" लक्ष्मण ने परशुराम से ऐसा क्यों कहा ?

उत्तर– लक्ष्मण ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि परशुराम जी ब्राह्मण होने के नाते पूज्य है, उनका वध भी नही किया जा सकता है। यदि परशुराम जी हमें मारेंगे तो भी हम आपके चरणों में ही रहेंगे ।

15– लक्ष्मण ने शूरवीरों के क्या लक्षण बताए हैं ?

उत्तर– लक्ष्मण ने कहा कि शूरवीर शत्रु को रणभूमि में सामने देख कर अपने पराक्रम का परिचय देकर युद्ध करते है । न कि बड़ी –बड़ी बातें बनातें हैं।

16– परशुराम ने विश्वामित्र को क्या उलाहना दिया ?

उत्तर – परशुराम ने विश्वामित्र को उलाहना दिया कि लक्ष्मण निष्ठुर और क्रोधी है। उनके सामने लक्ष्मण जो कि गुरु का अपराधी है वह निरंतर विवाद कर रहा है वह विश्वामित्र का लिहाज करके ही उसे नहीं मार रहे है।

17– परशुराम पर किसका ऋण बाकी था? और वह उसे कैसे चुकाना चाह रहे थे?

उत्तर– परशुराम पर गुरु का ऋण बाकी था जिसे वह लक्ष्मण का वध करके चुकाना चाह रहे थे ।

18– सभा के सभी लोगों ने किस बात को अनुचित बताया ?

उत्तर– सभी लोगों ने लक्ष्मण के द्वारा परशुराम के लिये कहे जाने वाले कठोर और अशिष्ट शब्दों को अनुचित बताया ।

19– जनक दरबार में बैठी सभा "हाय–हाय" क्यों करने लगी ?

उत्तर– लक्ष्मण के अपमानजनक कटुवचनों से क्रुद्ध होकर जब परशुराम ने लक्ष्मण को मारने के लिए अपना फरसा हाथ में लिया तो रक्तपात के भय से सभा "हाय–हाय" करने लगी ।

20– परशुराम के चरित्र की कोई दो विशषताएँ बताईए ?

उत्तर– परशुराम के चरित्र की प्रथम विशेषता है उनका क्रोधी स्वभाव व दूसरी विशेषता उनकी आत्म प्रशंसा करना है।

21– तुलसीदास जी की पाँच प्रमुख रचनाओं के नाम लिखों ?

उत्तर– इनकी पाँच प्रमुख रचनाओं के नाम रामचरित मानस , विनय पत्रिका, कवितावली, पार्वतीमंगल व जानकी मंगल है।

प्रभो

जयशंकर प्रसाद

<u>अति लघूत्तरात्मक प्रश्न</u> :–

प्रश्न :–1 जयशंकर प्रसाद ने अपने काव्य में कौन–कौन सी भाषाओं का प्रयोग किया ?
उत्तर :–जयशंकर प्रसाद ने अपने काव्य में खड़ी बोली व ब्रजभाषा का प्रयोग किया ।
प्रश्न :–2 प्रसाद के कौन से काव्य की तुलना संसार के श्रेष्ठ काव्यों से की जाती है?

उत्तर :–प्रसाद के कामायनी नामक की तुलना संसार के श्रेष्ठ काव्यों में की जाती है।
प्रश्न :–3 प्रसाद की प्रभो कविता किस काव्य संग्रह से ली गई है?
उत्तर :–प्रसाद की प्रभो कविता कानन कुसुम काव्य से ली गई है।
प्रश्न :–4 प्रसाद ने किन–किन विधाओं में अपना परिचय दिया?
उत्तर :–प्रसाद ने काव्य कहानी , उपन्यास,नाटक,एवं निबन्ध लेखन में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया ।
प्रश्न :–5 मनुष्य के मनोरथ कब पूर्ण होते है?
उत्तर :–मनुष्य के मनोरथ ईश्वर की दया होने पर ही पूर्ण होते है।
प्रश्न :–6 कवि ने प्रेममय प्रकाश किसे बताया?
उत्तर :– कवि ने प्रेममय प्रकाश प्रभु को बताया ।
प्रश्न :–7 साहित्य जगत में कवि को कहाँ से पहचान मिली ?
उत्तर :– इन्दू नामक मासिक पत्रिका के सम्पादन से कवि को साहित्य जगत में पहचान मिली।
प्रश्न :–8 'प्रभो' कविता में कवि ने क्या आशा व्यक्त की है?
उत्तर :– 'प्रभो' कविता में कवि ने यह आशा व्यक्त की है कि ईश्वर उनके मनोरथ को अवश्य पूर्ण करेगा।
प्रश्न :–9 धरा बराबर क्या बता रही हैं?
उत्तर :– धरा बराबर बताती है कि संसार रूपी इस उपवन का माली कौन है।
प्रश्न :–10 कवि ने प्रकृति को और ईश्वर को क्या–क्या बताया हैं?
उत्तर :– कवि ने प्रकृति को कमलिनी ओर ईश्वर को सूर्य बताया है।
प्रश्न :–11 कवि ने ईश्वर को किस असीम उपवन का माली बताया है?
उत्तर :– कवि ने ईश्वर को सृष्टि रूपी असीम उपवन का माली बताया हैं।
प्रश्न :–12 'प्रभो' कविता का विषय क्या है?
उत्तर :– 'प्रभो' कविता ईश्वर को संबोधित रचना है। इसमें ईश्वर के स्वरूप तथा उसकी प्रेममयी दया की व्यापकता का दर्शन कराया गया है।

लघूतरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न :–13 कवि ने ईश्वर को अनादि क्यों कहा हैं?
उत्तर :–ईश्वर के प्रारम्भ का किसी को कोई पता नहीं है और न कोई उस परमात्मा के प्रारम्भ का या आदिकाल को जान सकता है। उसे अजन्मा व अनादि ही स्वीकार किया गया है।
प्रश्न :–14 दयानिधि से क्या तात्पर्य हैं?
उत्तर :–दयानिधि से तात्पर्य दया के भण्डार या अनन्त दयालु शक्ति से है । ऐसी शक्ति ईश्वर के अतिरिक्त अन्य कोई नहीं हो सकती । अतः दयानिधि का तात्पर्य दया के असीम सागर परमात्मा से है।
प्रश्न :–15 'प्रभो' कविता में सभी पुकार करके क्या कहते हैं?
उत्तर :– सभी पुकार करके यहीं कहते है कि ईश्वर दयालु है । दया के सागर है। उनकी दया होने पर ही मनुष्य के सभी मनोरथ सहज ही पूरे हो सकते है।
प्रश्न :–16 प्रकृति पद्मिनी के अंशुमाली से कवि का क्या तात्पर्य है?

CBSEBINDER

उत्तर :–प्रकृति रूपी कमलिनी सूर्य को देखकर खिलती है, विकसित होती है । सूर्य ही कमलिनी के प्राण और उसका जीवन,सर्वस्व है। वह उसी के प्रेममय प्रकाश से खिलती है, जीवन पाती है। इसी प्रकार सभी मनुष्य और प्राणी ईश्वर के प्रेममय प्रकाश से ही जीवन प्राप्त करते हैं उनकी वृद्धि और विकास होता है।

प्रश्न :–17 यह कविता क्या सन्देश देती है?

उत्तर :–इस कविता का मूल सन्देश ईश्वर की व्यापकता से है संसार की सभी गतिविधियाँ उस परम तत्व की ही लीला है। अतः जीवन को सुखी, संपन्न,प्रसन्न, श्रेष्ठ बनाने के लिए स्वयं को ईश्वर की शरण में छोड़कर केवल अपना कर्तव्य पूर्ण करते रहो । ईश्वर की दया एक न एक दिन अवश्य होगी और सभी मनोरथ पूर्ण होंगे।

प्रश्न :–18 ईश्वर की मुस्कान के लिए कौनसा उपमान दिया गया है?

उत्तर :–कवि ने ईश्वर की मधुर मुस्कान के लिए चन्द्रमा की चाँदनी का उपमान दिया है क्योंकि चन्द्रमा की निर्मल चान्दनी रात्रि के घने अंधकार में भी लोगों का मन प्रसन्न कर देती है।

प्रश्न :–19 यही तो आशा दिला रही है – इस पंक्ति से कवि का क्या आशय है?

उत्तर :–इस पंक्ति के द्वारा कवि ने ईश्वर के प्रति आस्था व्यक्त की है । वह सभी प्राणियों पर दया कर उनके मनोरथ पूर्ण करता है। हमें ईश्वर की दया, कृपा, चाहिए। इसी आधार पर कवि को आशा है कि उनके मनोरथ भी ईश्वर की दया–कृपा से पूरे होंगे।

प्रश्न :–20 कवि जयशंकर प्रसाद का जीवन परिचय संक्षेप में लिखो ।

उत्तर :–छायावाद के प्रमुख कवि प्रसाद का जन्म सन् 1889 में हुआ इन्होने सारा अध्ययन घर रह कर ही किया । इन्होने संस्कृत, हिन्दी, उर्दु, फारसी, व अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान प्राप्त किया । आपने काव्य रचना के साथ–साथ नाटक, कहानी,उपन्यास,विद्या में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया । 15 नवम्बर 1937 को आपका स्वर्गवास हो गया।

प्रश्न :–21 प्रसाद जी की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखो।

उत्तर :–

काव्य	–	आँसू , लहर, झरना,कामायनी
नाटक	–	ध्रुवस्वामिनी , अजातशत्रु, स्कन्दगुप्त
उपन्यास	–	कंकाल, तितली,इरावती,आकाशदीप,
कहानी संग्रह	–	छाया, पुरस्कार,इन्द्रजाल,आँधी

अभी न होगा मेरा अंत, मातृभूमि

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न :–1 कवि का कविता में किस प्रथम चरण की और संकेत है?

CBSE BINDER

उत्तर :– कवि का कविता में जीवन के प्रथम चरण युवावस्था की और संकेत है।

प्रश्न :–2 निंद्रित कलियो से कवि का क्या आशय है?

उत्तर :– निंद्रित कलियों से कवि का आशय आलस्य में डुबे हुए युवा।

प्रश्न :–3 हरे–हरे पात में कौनसा अलंकार है?

उत्तर :– हरे–हरे पात में अनुप्रास अलंकार है।

प्रश्न :–4 निराला युवाओं को किसका द्वार दिखाना चाहते हैं?

उत्तर :– निराला युवाओं को अनन्त ईश्वर तक पहुँचाने का द्वार दिखाना चाहते है।

प्रश्न :–5 निराला का जन्म किस तिथि को हुआ ?

उत्तरः– निराला का जन्म बसन्त पंचमी तिथि को हुआ।

प्रश्न :–6 मातृवन्दना कविता में मृत्यु पथ शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर :– मृत्यु पथ का तात्पर्य मानव जीवन से है जो प्रतिपल मृत्यु की और बढ़ता है।

प्रश्न :–7 श्रम सिंचित फल से कवि का क्या आशय है?

उत्तर :– श्रम सिंचित फल से कवि का आशय उनके द्वारा परिश्रम से अर्जित की गई वस्तुओं से है।

प्रश्न :–8 'जीवन के रथ पर चढ़कर' का क्या अभिप्राय है?

उत्तर :– इसका अभिप्राय जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए आगे बढ़ना है।

प्रश्न :–9 'खरतर शर' का भाव क्या है?

उत्तर :– महाकाल के खरतर शर का भाव मानव जीवन में आने वाले कष्टदायक अनुभवों से है।

प्रश्न :–10 मातृवन्दना कविता में कवि माँ के चरणो में क्या अर्पित करना चाहता है?

उत्तर :– मातृवन्दना कविता में कवि माँ के चरणो में सकल स्वार्थ और श्रम सिंचिंत फल अर्पित करना चाहता है।

प्रश्न :–11 मातृवन्दना कविता मे कवि ने अपने श्रम का श्रेय किसे दिया है।

उत्तर :– मातृवन्दना कविता में कवि ने अपने श्रम का श्रेय माँ भारती या भारत माता को दिया है।

CBEO BINDER

प्रश्न :–12 मातृवन्दना कविता में कवि निराला ने क्या भाव व्यक्त किया है?

उत्तर :–मातृ–वन्दना कविता में कवि ने राष्ट्रप्रेम व देशभक्ति का भाव व्यक्त किया है।

<u>लघूत्तरात्मक प्रश्न</u> :–

प्रश्न :–13 कवि निराला को अभी न होगा मेरा अन्त यह विश्वास क्यों है?

उत्तर :– कवि निराला को पूरा विश्वास है कि उनके भौतिक और कवि जीवन का अन्त शीघ्र नहीं होने वाला है इसका कारण कवि बताते है कि उसके जीवन में बसन्त ऋतु जैसा उत्साह, उल्लास,और आनन्दमय समय अर्थात युवावस्था अभी–अभी आई है। अभी उसका बहुत जीवन बाकी है।

प्रश्न :–14 'अपने नवजीवन का अमृत सहर्ष सींच दूँगा मैं' इसका आशय समझाइये।

उत्तर :– कवि निराला युवावस्था को लेकर कहते है कि बसन्तागमन से जैसे प्रकृति में नवीन सौन्दर्य छा जाता है वैसे ही यौवन आने पर मेरे जीवन में भी नवीन उत्साह जाग गया है। मैं अपने जीवन को कर्म सौन्दर्य रूपी अमृत से सींचकर खुशहाल बनाउँगा।

प्रश्न :–15 'अभी न होगा मेरा अन्त' के अनुसार बसन्त आगमन पर प्रकृति में कौन–कौन से परिवर्तन होते है?

उत्तर :–बसन्त ऋतु आने पर चारों और सुन्दर प्राकृतिक दृश्य दिखाई देने लगते है। वृक्षों में हरे–हरे पत्ते, डालियों पर कोमल कलियाँ दिखाई देने लगती है। प्रातःकाल के समय सूर्य की किरणो ं के कोमल स्पर्श से कलियाँ खिलने लगती है।

प्रश्न :–16 'अभी न होगा मेरा अन्त' कविता को पढ़ने के बाद आप अपने जीवन में क्या परिवर्तन लाना चाहेंगे?

उत्तर :– हम अपने जीवन में आशा, आस्था,विश्वास,उत्साह,और जिजीविषा को बनाये रखेंगे। मार्ग की बाधाओं से विचलित नहीं होंगे । हम सब कुछ देकर भी दूसरों का हित या परमार्थ करने से पीछे नहीं हटेंगे।

प्रश्न :–17 मातृ–वन्दना कविता के अनुसार कवि माँ के चरणों में क्या क्या समर्पित करना चाहता है?

उत्तर :– कवि अपनी मातृ–भूमि की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित करना चाहता है। वह अपने परिश्रम से अर्जित सभी वस्तुएँ माँ के चरणों में अर्पित करना चाहता है। सारी विघ्न बाधाओं को झेलते हुए और कष्ट सहन करते हुए भी वह सारे जीवन श्रम के स्वेद से सिंचिंत पवित्र कमाई माँ पर न्यौछावर करना चाहता है।

प्रश्न :–18 मातृ–वन्दना कविता में क्या प्रेरणा या सन्देश व्यक्त हुआ है?

CBSE BINDER

उत्तर :–मातृ–वन्दना कविता देशप्रेम की भावना पर आधारित है । इसमें यह सन्देश दिया गया है कि हमें भारत माता के चरणों में अपने सारे कर्मफल अर्पित कर स्वयं को धन्य मानना चाहिए तथा देश सेवा में अपना जीवन दे देना चाहिए।

प्रश्न :–19 "मुक्त करूंगा तुझे अटल" पंक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर :–प्रस्तुत पंक्ति का तात्पर्य है कि कवि अपना तन–मन –धन समर्पित करके अपनी मातृभूमि को दुःख व कष्टो से मुक्त कराना चाहता है और उसे विश्व स्तर पर अटल स्थान दिलाना चाहता है।

प्रश्न :–20कवि अपने हृदय में माँ भारती की कैसी मूर्ति जगाना चाहता है और क्यों ?

उत्तर :–कवि अपने हृदय में माँ भारती की आँसुओं से धुली निर्मल मूर्ति अपने हृदय में जगाना चाहता है इसका कारण यह है कि भारत माता परतन्त्रता से या अभावों और कष्टों से पीड़ित है। अतः उसकी आँखो से बहते आँसू देखकर कवि सबकुछ त्याग करने को तत्पर हो जाएगा माँ की आँखो के आँसू कवि को सर्वस्व न्यौंछावर करने की प्रेरणा व बल प्रदान करतें है।

प्रश्न :–21 महाकवि निराला का जीवन परिचय संक्षेप में लिखो ।

उत्तर :–महाकवि निराला का जन्म बंगाल के मेदिनीपुर गाँव में हुआ हाई स्कूल तक शिक्षा ग्रहण करने के बाद आपने स्वाध्याय से हिन्दी ,संस्कृत,तथा बांग्ला, भाषाओं में प्रवीणता प्राप्त की। कवि निराला छायावादी कवि के रुप मे जाने –जाते है। कविवर निराला ने अनेक विधाओं में रचनाएँ प्रस्तुत करके हिन्दी साहित्य को धनी बनाया सन् 1961 में इनका देहावसान हो गया।

प्रश्न :–22 निराला जी की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखो।

उत्तर :– निराला की रचनाएँ छायावाद,रहस्यवाद एवं प्रगतिवाद विचारधाराओं से प्रभावित है । प्रमुख रचनाएँ :– अनामिका,परिमल,गीतिका,तुलसीदास,कुकुरमुत्ता,राम की शक्ति पूजा तथा अलका,प्रभावती,निरूपमा गद्य रचनाएँ है।

कविता – झाँसी की रानी

सुभद्रा कुमारी चौहान

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न :–1. वीर रस की एक मात्र हिन्दी कवयित्री का नाम लिखिए ?

उत्तर :– वीर रस की एकमात्र कवयित्री का नाम सुभद्रा कुमारी चौहान है।

प्रश्न :–2 लक्ष्मीबाई किसकी मुँहबोली बहन थी?

उत्तर :— लक्ष्मीबाई नानासाहब की मुँहबोली बहन थी।

प्रश्नः— 3 लक्ष्मीबाई की सहेलियाँ कौन थी ?

उत्तर :— लक्ष्मीबाई की सहेलियाँ काना और मुंदरा थी।

प्रश्न :—4 लक्ष्मीबाई किसके संग पढी़ और खेली थी ?

उत्तर :— लक्ष्मीबाई नाना साहब के साथ पढी और खेली थी।

प्रश्न :—5 लक्ष्मीबाई का विवाह किसके साथ हुआ?

उत्तर :— लक्ष्मीबाई का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ।

प्रश्नः— 6 झाँसी में खुशियाँ क्यों छा गई थी ?

उत्तरः— झाँसी के राजा का विवाह लक्ष्मीबाई के साथ हुआ, इस कारण बधाई के गीत गाए जाने लगे और झाँसी में खुशिंयाँ छा गई।

प्रश्न :—7 गुमी हुई आजादी को पाने के लिए क्या किया गया ?

उत्तर :— गुमी हुई आजादी को पाने के लिए अंग्रेजो के साथ संघर्ष आरम्भ किया ।

प्रश्नः—8 सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म कब हुआ?

उत्तर :— सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म सन् 1904 में इलाहाबाद के निहालपुर में हुआ था।

प्रश्नः— 9 सुभद्रा कुमारी चौहान की रचनाओं के प्रमुख विषय क्या है?

उत्तर :— सुभद्रा कुमारी चौहान की प्रमुख रचनाओं के विषय राष्ट्रप्रेम और घरेलु जीवन है।

प्रश्न :—10 सुभद्रा कुमारी चौहान की रचनाओं के नाम लिखिए?

उत्तरः— 'झाँसी की रानी,' "बिखरे मोती," 'मुकुल' हैं।

प्रश्न :—11 देश में व्यापारी बन कर कौन आए थे?

उत्तर :— देश में व्यापारी बनकर अंग्रेज आए थे।

प्रश्न :—12 झाँसी के राजा के मरने के पर कौन हर्षाया?

उत्तर :— झाँसी के राजा के मरने पर डलहौजी बहुत हर्षाया।

प्रश्न :—13 निधन के समय लक्ष्मीबाई की आयु क्या थी?

उत्तर :— निधन के समय लक्ष्मीबाई की आयु तेईस वर्ष थी।

CBEO BHINDER

लघूतरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न :–14 कवयित्री भारत को बूढ़ा कहकर और उसमें ' नयी जवानी ' आने की बात कह कर क्या बताना चाहती है?

उत्तर :– भारत को बूढ़ा कहकर कवयित्री यह बताना चाहती है कि भारत परतन्त्र होकर बहुत ही कमजोर और शक्तिहीन हो गया था। लेकिन अब उसकी सोच बदल रही है, उसमें संघर्ष करने की शक्ति आ रही है, वह अब आजादी के लिए प्रयत्न करने लगा है।

प्रश्न :–15 कवयित्री लक्ष्मीबाई को मर्दानी क्यों कहती है?

उत्तर :–मर्दानी 'मर्द' शब्द से बना है। 'मर्द' का अर्थ है–पुरुष,वीर,बहादुर,बलवान। लक्ष्मीबाई स्त्री होते हुए भी साहसी थी। वह शौर्य और वीरता का साक्षात स्वरुप थी। उसने युद्ध में शत्रु सेना के सैनिकों और बड़े–बड़े पदाधिकारियों के दाँत खट्टे कर दिए थे। उसकी इसी वीरता , शौर्य और पराक्रम को प्रकट करने के लिए कवयित्री ने'मर्दानी' शब्द का प्रयोग किया है।

प्रश्न :–16 रानी लक्ष्मीबाई के बचपन की गतिविधियों का वर्णन कीजिए?

उत्तर :–रानी लक्ष्मीबाई बचपन से वीर, साहसी, और बहादुर थी। उसने बचपन से ही कृपाण, कटारी, और बरछी चलाना व ढ़ाल से अपना बचाव करने के तरीके सीख लिए थे। युद्ध का अभ्यास करना, व्यूह को तोड़ने का प्रयास करना, शिकार करना, सेना की घेराबंदी करना, दुर्गो को तोड़ना आदि, उनके बचपन की प्रिय गतिविधियाँ थी।

प्रश्न :–17 रानियाँ और बेगमें गम में क्यों डूबी हुई थी ?

उत्तर :–प्रथम स्वतंत्रता संग्राम शुरु हो चुका था। अंग्रेज सरकार ने धीरे–धीरे अनेक रियासतों को अपने अधिकार में कर लिया था, जिसके परिणाम स्वरुप अंग्रेजो ने रानियों और बेगमों के गहने – कपड़े तथा अन्य मूल्यवान चींजो को नीलाम करना प्रारम्भ कर दिया था।इस कारण रानियाँ और बेगमें गम में डूब गई थी।

प्रश्न :–18 राजमहल में काली घटाएँ क्यो छा गई?

उत्तर :–झाँसी के राजा निःसन्तान थे। राजा के निःसन्तान मर जाने पर झाँसी के राज्य को अंग्रेज अपने अधिकार में ले लेंगें । इस पर विपत्ति आ जाएगी । इस तथ्य को ध्यान में रखकर राजमहल में काली घटाएँ छा गई।

प्रश्न :–19 "रानी दासी बनी , बनी यह दासी अब महारानी थी।" इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए?

उत्तर :– डलहौजी की कुटिल नीति के कारण झाँसी की रानी अपने पद और अधिकार से वंचित हो गई उसके साथ एक दासी जैसा व्यवहार हुआ, जब कि अंग्रेजी

सत्ता जो दासी बनकर भारत आई थी, अब झाँसी की रानी या स्वामिनी बन गई । यह बड़ी विडम्बना पूर्ण स्थिति थी।

प्रश्न :–20 स्वतंत्रता की चिनगारी में किन–किन सपूतों ने लोहा लिया?

उत्तरः– स्वतंत्रता की चिनगारी में अनेक वीर नर–नारियों ने लोहा लिया। लक्ष्मीबाई ऐसी नारियो ंमें प्रमुख थी, जिन्होने अंग्रजो से लड़ते – लड़ते प्राणो का उत्सर्ग कर दिया था। इनके साथ ही पुरूषों में नाना धुधूपंत, ताँतिया टोपे, अजीमुल्ला, अहमदशाह मौलवी, ठाकुर कुँवर सिंह आदि भारत माँ के वीर सपूत प्रमुख थे।

प्रश्न :–21 भाग्य रानी के विरूद्ध था, इसी कारण उसको रणभूमि में प्राण त्यागने पड़े। वीर गति प्राप्त करते समय रानी के सामने क्या परिस्थितियाँ थी? लिखिए।

उत्तर :– रानी अंग्रेजी सेना के चक्रव्यूह को तोड़कर निकल चुकी थी। यदि मनुष्य का भाग्य साथ देता तो उसके सामने अप्रत्याशित संकट न आता । रानी का घोड़ा नया था, वह सामने नाला देखकर ठिठक गया, उसे पार नहीं कर पाया । इसी बीच पीछा करते हुए अंग्रेज सैनिक आ पहुँचे और अकेली रानी को देखकर प्रहार करने लगे। रानी ने वीरता पूर्वक संघर्ष करते हुए प्राण त्याग दिये।

प्रश्न :–22 'मिला तेज से तेज' कवयित्री ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर :– कवयित्री ने ऐसा एसलिए कहा कि लक्ष्मीबाई युद्ध में लड़ते हुए स्वर्ग सिधार गई । वह एक दिव्य शक्ति थी, आभा थी,तेज थी । स्वर्ग सिधारने के पश्चात वह तेज , परम तेज, परमेश्वर से मिल गया। क्योंकि वह महान आत्मा, परम आत्मा से मिलने योग्य थी।

प्रश्न :–23 "झाँसी की रानी " कविता से लक्ष्मीबाई के जीवन से हम क्या प्रेरणा ले सकते है?

उत्तर :– "झाँसी की रानी " कविता से हम यह प्रेरणा ले सकते है कि रानी लक्ष्मीबाई ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दी। उसमें असीम देश प्रेम की भावना थी। हमें भी झाँसी की रानी के समान साहसी और वीर बनना चाहिए तथा देश को उन्नत और समृद्ध करने में अपना योगदान देना चाहिए।

उषा की लाली,कल और आज

नागार्जुन

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न :–1 कवि नागार्जुन का मूल नाम क्या था?

उत्तर :– कवि नागार्जुन का मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र था।

प्रश्न :–2 कवि नागार्जुन किस धर्म में दीक्षित हुए थे?

उत्तर :– कवि नागार्जुन श्रीलंका गये और बौद्व धर्म में दीक्षित हुए।

प्रश्न :–3 कवि नागार्जुन की किन्ही तीन कृतियों के नाम लिखिए?

उत्तर :– कवि नागार्जुन की तीन कृतियाँ – 'युगधारा,' 'सतरंगे पंखो वाली', तथा पुरानी जूतियों का कोरस हैं।

प्रश्न :–4 'उषा की लाली' कविता में किस समय का वर्णन हुआ है?

उत्तर :– 'उषा की लाली ' कविता में सूर्योदय के समय का वर्णन हुआ है।

प्रश्न :–5 गोरैया का धूल में नहाना क्या संकेत करता है?

उत्तर :– गोरैया का धूल में नहाना वर्षा के आगमन और ग्रीष्म ऋतु के विदा होने का संकेत माना जाता है।

प्रश्न :–6 पावस रानी क्या है? वह क्या कर रही है?

उत्तर :– पावस रानी वर्षा ऋतु को ही कहा गया है। वह वर्षा की बूँदे रूपी पायल बजाती हुई नाच रही है।

प्रश्न :–7 कविता 'उषा की लाली' में हिमगिरी किसे कहा गया है?

उत्तर :– 'उषा की लाली' कविता में बर्फीले शिखरों वाले हिमालय को हिमगिरी कहा गया है।

प्रश्न :–8 खेतों की मिट्टी पथराई हुई क्यों थी?

उत्तर :– ग्रीष्म ऋतु के प्रखर ताप से खेतों की मिट्टी पथराई हुई थी, अर्थात एकदम शुष्क और कठोर हो गई थी।

प्रश्न :–9 वर्षाकाल में किनकी 'शहनाई' लगातार सुनाई देती है?

उत्तर :–वर्षाकाल में झींगुरो की मधुर स्वर लहरी रूपी शहनाई लगातार सुनाई देती है।

प्रश्न :–10 विदा हुआ ..... समेटकर अपने लाव – लश्कर कवि ने ऐसा किसके लिए कहा है?

उत्तर :– वर्षा ऋतु के आगमन पर कवि ने ऐसा ग्रीष्म ऋतु के लिए कहा है।

<u>लघूतरात्मक प्रश्न :–</u>

CBEO BINDER

प्रश्न :–11 वर्षा ऋतु के आगमन पर प्रकृति में कौन–कौन से बदलाव आए है?

उत्तर :– वर्षा ऋतु के आगमन से आकाश में बादल उमड़ने –घुमड़ने लगे। सूखी धरती हरी–हरी होने लगी । धरती पर नये–नये अंकुर आ गये। मेंढ़क धरती से बाहर निकलकर टर्र टराने लगे तथा झींगुरो की मधुर स्वर लहरी सुनाई देने लगी । मोर जोरों से कूकने और नाचने लगे। प्रकृति में नई जान आ गई । ग्रीष्म में सूखकर काली पड़ी दूब की शिराओं में रक्त प्रवाह होने लगा और ग्रीष्म चुपचाप अपना सामान समेट कर विदा हो गया।

प्रश्न :–12 'उषा की लाली' कविता में शिशु रवि के आगे बढ़ते ही प्रकृति की छवि कैसे बदल गई?

उत्तर :– 'उषा की लाली' कविता में कवि नागार्जुन का प्रकृति प्रेम सहज रूप से व्यक्त हुआ है। उषा की लाली पड़ते ही हिमगिरी के कनक शिखर निखर उठते है। जैसे–जैसे बाल रवि आगे बढ़ता है, प्रकृति का सारा दृश्य ही बदल जाता है। कवि इस बदली छवि से इतना अभिभूत होता है कि उसे अपलक देखता ही रह जाता है।

प्रश्न :–13 'उषा की लाली' कविता का शिल्प सौंदर्य लिखिए ?

उत्तर :– 'उषा की लाली' एक लघु कविता है जो मुक्त छन्द में लिखी गई है। इसकी भाषा सहज, सरल और तत्सम शब्द प्रधान है । इस कविता में प्रकृति का मानवीकरण देखते ही बनता है। इसमें लयात्मकता है। संक्षिप्तता, मधुरता, गेयता, और सरसता इसकी विशेषताएँ हैं।

प्रश्न :–14 'कल और आज' कविता में किसान प्रकृति को क्यों कोस रहे थे?

उत्तर :– प्रकृति के नियमों के अन्तर्गत ही ऋतु परिवर्तन होता है। जब भयंकर गर्मी पड़ने लगती है तो खेतों की सिंचाई के लिए पानी का अभाव हो जाता है, गर्मी के कारण खेतों की मिट्टी कठोर हो गई और धान की बुवाई नहीं हो पा रही थी , इससे किसान बड़े हताश हो रहे थे ।उन्हे परिवार के पालन–पोषण की चिन्ता सता रहीथी,इसी कारण वे प्रकृति को कोस रहे थे।

प्रश्न :–15 ग्रीष्म की भयंकरता से क्या –क्या दृश्य दिखाई दे रहे थे?

उत्तर :– ग्रीष्म की ऋतु के कारण गोरैया धूल में नहाती थी । खेतों की मिट्टी सूखकर पत्थर जैसी कठोर हो गई थी । किसान वर्षा नहीं होने से बहुत चिन्तित और निराश थे। मेंढ़क धरती के भीतर छिपकर ग्रीष्म के ताप से बचाव कर रहे थे। बादल न होने से धूप तथा धूल से युक्त आसमान बड़ा भद्दा लग रहा था।

CBSE BINDER

प्रश्न :–16 'उषा की लाली' कविता के आधार पर बताइये कि कवि अपलक क्या देखता रह गया?

उत्तर :– इस कविता मे कवि ने उषाकालीन प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन किया है। कवि कहता है कि सूर्योदय से पहले ही हिमालय की बर्फ से ढंकी चोटियों का सुनहरा रंग उषा की लाली से और भी निखर गया । इसके बाद शिशु जैसा लगने वाला सूर्य आकाश में थोड़ा सा उठा और सारी दृश्य शोभा बदल गई । प्रकृति के इस पल–पल परिवर्तित हो रहे दृश्य पर मुग्ध होकर कवि उसे एकटक देखता रह गया।

प्रश्न :–17 कवि ने 'उषा की लाली ' से जादुई आभा किसे कहा है?

उत्तर :– कवि ने निरन्तर रूप बदल रहे सूर्योदय के समय के प्रकाश को जादुई आभा कहा है। उषा काल के समय वह लाल था । सूर्य जब क्षितिज से झाँका तो वह सुनहला हो गया। यह दृश्य किसी जादू के खेल जैसा प्रतीत हो रहा था। इसी कारण कवि ने इसे 'जादुई आभा' कहा है।

प्रश्न :–18 कवि ने हिमगिरी के शिखर को कनक–शिखर क्यों कहा है?

उत्तर :– कवि ने हिमगिरी के शिखर को कनक–शिखर इसलिए कहा है कि प्रातःकाल उषा की लालिमा जब हिमालय की चोटियों पर पड़ती है, तब उन चोटियों का रंग स्वर्ण जैसा हो जाता है । ऐसा लगता है कि प्रकृति ने हिमालय पर स्वर्ण ही स्वर्ण बिखेर दिया है। इसलिए हिमगिरी के शिखर स्वर्ण शिखर से लगते है।

प्रश्न :–19 'कल और आज' कविता में कवि नागार्जुन ने ऋतु चक्र का सजीव वर्णन किस प्रकार किया है?

उत्तर :– 'कल और आज' कविता में कवि नागार्जुन ने ऋतु चक्र का अत्यन्त सजीव वर्णन किया है। वर्षा ऋतु प्रारम्भ होने से पूर्व अर्थात कल से, प्राकृतिक परिवेश का वर्णन करते हुए कवि कहता है कि अभी कल तक हताश – निराश किसान मौसम को गालियाँ देते थे, उसे कोसते थे। अनाज उगलने वाली खेतो की मिट्टी सूखी और पत्थर के समान कठोर थी। आकाश बादलों से रहित व धूल और लू से व्याप्त था। ग्रीष्म ऋतु के बीत जाने के बाद सब कुछ बदल गया, वर्षा की बूँदे छम–छम करके गिरने लगी, झींगुर उसकी अगवानी में शहनाई बजाने लगे, और मोर नाचने – थिरकने लगे। ग्रीष्म ऋतु अपने डेरे–तंबू समेटकर विदा हो गई।

प्रश्न :–20 कवि नागार्जुन ने 'कल और आज' कविता द्वारा क्या संदेश दिया ?

उत्तर :– कवि नागार्जुन ने 'कल और आज' कविता में प्रगतिशील विचारधारा को व्यक्त किया है। इस कविता में यह बताया गया है कि एक ऋतु के बाद

CBSE BINDER

दूसरी ऋतु आती है, और कल के बाद आज आता है। अतः समय सदा गतिशील रहता है, अर्थात बुरा समय आने पर निराश नहीं होना चाहिए । बुरे समय के बाद अच्छा समय अवश्य आता है। इसलिए अच्छा समय आने पर उसका सदुपयोग करना चाहिए। सामाजिक जीवन में खुशहाली बनी रहे, इसका प्रयास करना चाहिए।

समास

प्र.1. द्वन्द्व समास को सोदाहरण समझाइए।

उत्तर– द्वन्द्व समास में दोनों पद प्रधान होते हैं, तथा दोनों पद योजक चिह्न से जुड़ें होते हैं।

जैसे– माता–पिता –माता और पिता

दाल–रोटी – दाल और रोटी

प्र.2 'दशानन' में कौनसा समास है, परिभाषा लिखिए।

उत्तर – 'दशानन' में बहुव्रीहि समास है।

परिभाषा :– इस समास में पूर्व व उत्तर पद दोनों गौण होते हैं तथा संपूर्ण पद प्रधान होता है।

प्र.3. अव्ययीभाव समास की परिभाषा तथा एक उदाहरण लिखिए।

उत्तर – इस समास में पहला पद अव्यय होता है

(काल, वचन, लिंग व कारक से नहीं बदलता) तथा पहला पद प्रधान होता है।

जैसे –

यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार

प्रतिदिन – हर दिन या प्रत्येक दिन

प्र.4. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए।

आजन्म, देश निकाला, चतुर्भुज, दिन–रात

उत्तर –

आजन्म– जीवन भर (अव्ययीभाव समास)

देश निकाला– देश से निकालना (तत्पुरूष समास)

चतुर्भुज – चार हैं भुजाएँ जिसकी अर्थात् विष्णु (बहुव्रीहि समास)

दिन–रात – दिन और रात (द्वन्द्व समास)

प्र.5. तत्पुरूष समास की परिभाषा लिखिए।

उत्तर – जिस समास में दूसरा पद प्रधान होता है तथा पहले पद के बाद कारक चिह्नों का लोप हो जाता है, उसे तत्पुरूष समास कहते हैं। जैसे – वन गमन – वन को गमन

प्र.6. द्विगु समास को समझाइए।

उत्तर –द्विगु समास में पहला पद संख्यावाची होता है व दूसरा पद समूहवाची होता है। जैसे–

नवरत्न – नौ रत्नों का समूह

चौराहा – चार रास्तों का समाहार

प्र.7. कर्मधारय समास को सोदाहरण समझाइए।

उत्तर – वह समास जिसमें पहला व दूसरा पद विशेषण व विशेष्य या उपमान व उपमेय होता है,

CBEO BINDER

वहाँ कर्मधारय समास होता हैं। जैसे–

मुखचन्द्र – चन्द्रमा रूपी मुख

चरणकमल – कमल के समान चरण

प्र.8. बहुव्रीहि समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।

उत्तर – जिस समस्त पद में दोनों पद प्रधान न होकर उससे निकलने वाला तीसरा या अन्य अर्थ प्रधान होता है, उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।

जैसे – गजानन – गज के समान आनन वाले अर्थात् गणेश।

प्र.9. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए।

महात्मा , नवरात्र

उत्तर – महात्मा– महान है जो आत्मा (कर्मधारय समास)

नवरात्र – नौ रातों का समूह (द्विगु समास)

प्र.10. द्विगु समास तथा कर्मधारय समास में अंतर बताइए।

उत्तर – द्विगु समास में पहला पद संख्यावाची और दूसरा पद समूहवाची होता है तथा कर्मधारय समास में पहला व दूसरा पद विशेषण व विशेष्य या उपमान व उपमेय होता है।

जैसे– शताब्दी –सौ वर्षों की अवधि

नीलकमल– नीला है जो कमल

प्र.11. द्विगु तथा द्वन्द्व समास में अन्तर लिखिए।

उत्तर– द्विगु समास में पहला पद संख्यावाची और दूसरा पद समूहवाची होता है तथा द्वन्द्व समास में दोनों पद प्रधान होते है तथा दोनों पद योजक चिह्न (–) द्वारा जुड़े होते है।

जैसे– पंचतत्व – पाँच तत्वों का समूह (द्विगु समास)

भाई–बहन – भाई और बहन (द्वन्द्व समास)

प्र.12. 'धर्माधर्म' में कौनसा समास है, परिभाषा लिखिए।

उत्तर– धर्माधर्म– धर्म और अधर्म अर्थात् द्वन्द्व समास द्वन्द्व समास में दोनों पद प्रधान होते हैं तथा दोनों पद योजक चिह्न (–)द्वारा जुड़े होते हैं।

प्र.13. 'एकदन्त' में कौनसा समास है?

अ. द्विगु समास ब. द्वन्द्व समास

स. कर्मधारय समास द. बहुव्रीहि समास उत्तर – (द)

प्र.14. कौनसे समास में प्रथम पद संख्यावाची होता है?

अ. द्वन्द्व समास ब. द्विगु समास

स. अव्ययीभाव समास द. बहुव्रीहि समास उत्तर– (ब)

प्र.15 निम्न में से कौनसा शब्द अव्ययीभाव समास का उदाहरण है–

अ. माता–पिता ब. यथाशक्ति

स. त्रिरत्न द. नीलकंठ उत्तर– (ब)

.16. द्विगु समास तथा बहुव्रीहि समास में अन्तर बताइए।

उत्तर– द्विगु समास में पहला पद संख्यावाची और दूसरा पद समूहवाची होता है

जैसे– त्रिरत्न अर्थात् तीन रत्नों का समूह। बहुव्रीहि समास में सम्पूर्ण पद प्रधान होता है तथा उस पद का विशेष अर्थ निकलता है,

जैसे– लम्बोदर– लम्बा है उदर जिसका अर्थात् गणेश ।

CBSE BINDER

प्र.17. निम्न शब्दों का समास विग्रह कीजिए।

अ. काला साँप ब. घर–घर

स. त्रिनेत्र द. दाल–रोटी

उत्तर – अ. काला साँप – काला है जो साँप (कर्मधारय समास)

ब. घर–घर – हर घर/प्रत्येक घर (अव्ययीभाव समास)

स. त्रिनेत्र – तीन नेत्र है जिसके अर्थात् शिव (बहुव्रीहि समास)

द. दाल–रोटी – दाल और रोटी (द्वन्द्व समास)

प्र.18. द्विगु समास के चार उदाहरण विग्रह सहित लिखिए।

उत्तर– अ. चौराहा – चार रास्तों का समाहार

ब. पंचतत्व – पांच तत्वों का समूह

स. त्रिरत्न – तीन रत्नों का समूह

द. चौमासा – चार महिनों का संगम

वाक्यशुद्धि

निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

1. मैं प्रातःकाल के समय घूमने जाता हूँ।

उत्तर – मैं प्रातःकाल घूमने जाता हूँ।

2. शायद वह जरूर आएगा।

उत्तर – वह जरूर आएगा।

3. रात में कुत्ते चिल्ला रहे थे।

उत्तर– रात में कुत्ते भौंक रहे थे।

4. धोबी ने अच्छे कपड़े धोये।

उत्तर– धोबी ने कपड़े अच्छे धोये।

5. माताजी ने मुझको बुलाया।

उत्तर– माताजी ने मुझे बुलाया।

6. शीतल फलों का रस पीजिए।

उत्तर– फलों का शीतल रस पीजिए।

7. उसकी सौन्दर्यता अनुपम है।

उत्तर– उसका सौन्दर्य अनुपम है।

8. उसने हाथी पर काठी बाँधी।

उत्तर– उसने हाथी पर हौदा रखा।

9. शुद्ध गाय का घी लिजिए।

उत्तर– गाय का शुद्ध घी लिजिए।

10. राम ने संकल्प किया।

उत्तर– राम ने संकल्प लिया।

11. सुदामा पक्के कृष्ण के मित्र थे।

उत्तर– सुदामा कृष्ण के पक्के मित्र थे।

12. यह सबसे सुन्दरतम फूल है।

उत्तर– यह सबसे सुन्दर फूल है।

CBEO BHINDER

13. रमेश की तो अक्ल मर गई है।
उत्तर– रमेश की तो अक्ल मारी गई है।
14. मेरे पास केवल मात्र पचास रूपये हैं।
उत्तर– मेरे पास मात्र पचास रूपये हैं।
15. महादेवी महान कवि थी।
उत्तर– महादेवी महान कवयित्री थी।
16. सुभद्रा कुमारी विद्वान लेखिका थी।
उत्तर– सुभद्रा कुमारी विदुषी लेखिका थी।
17. सभी विद्यार्थी उपस्थित है।
उत्तर– सभी विद्यार्थी उपस्थित हैं।
18. मेरे को जाना है।
उत्तर– मुझे जाना है।
19. हमारे वाला घर खाली है।
उत्तर– हमारा घर खाली है।
20. आदरणीय, तुमको वहाँ बैठना है।
उत्तर– आदरणीय, आपको वहाँ बैठना है।
21. वाक्य किसे कहते हैं?
उत्तर– दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को, जिसका पूरा अर्थ निकलता है, वाक्य कहते हैं।
22. 'उद्देश्य' तथा 'विधेय' की परिभाषा लिखिए।
उत्तर– वाक्य में जिस कर्त्ता के बारे में बात की जाये, उसे 'उद्देश्य' कहते हैं तथा वाक्य में कर्त्ता के बारे में जो कहा जाता है, उसे 'विधेय' कहते हैं।

जैसे– मोहन प्रयाग में रहता है।
इसमें उद्देश्य है– 'मोहन'।
और विधेय है– 'प्रयाग में रहता है।'

मुहावरें एवं लोकोक्तियाँ

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. "अंगूठा दिखाना" मुहावरे का सही अर्थ होगा-
   उत्तर- मना कर देना।
2. "आस्तीन का सांप" मुहावरे का अर्थ है-
   उत्तर- धोखेबाज मित्र।
3. "अपनी हानि स्वयं करना" वाक्यांश के लिए मुहावरा होगा-
   उत्तर- अपने पांव कुल्हाड़ी मारना।
4. "ईद का चांद होना" मुहावरे का अर्थ हे-

उत्तर- बहुत दिनों बाद दिखाई देना।

5. "उड़ती चिड़िया पहचानना" मुहावरे का अर्थ है-

उत्तर- बहुत अनुभवी होना।

6. "मार देना" वाक्यांश के लिए मुहावरा होगा-

उत्तर- काम तमाम कर देना।

7. "बीती बातें छेड़ना" वाक्यांश के लिए मुहावरा होगा-

उत्तर-गड़े मुर्दे उखाड़ना।

8. "कड़वी बात सुनकर सहन कर लेना" वाक्यांश के लिए मुहावरा होगा-

उत्तर- जहर का घूंट पीना।

9. "छाती पर मूंग दलना" मुहावरे का अर्थ है-

उत्तर- बहुत परेशान करना।

10. "भाग जाना" वाक्यांश के लिए मुहावरा होगा-

उत्तर- नौ दो ग्यारह होना।

11. "ओछा आदमी अधिक इतराता है" के लिए उचित कहावत होगी-

उत्तर- अधजल गगरी छलकत जाए।

12. "भलाई कर भूल जाना चाहिए" के लिए उचित कहावत होगी-

उत्तर- नेकी कर कुएं में डाल।

13. "महान व्यक्तियों के लक्षण बचपन में ही नजर आ जाते हैं" के लिए उचित कहावत होगी-

उत्तर- होनहार बिरवान के होत चिकने पात।

14. "बहुत पाप करते पश्चाताप करने का ढोंग करना" के लिए उचित कहावत होगी-

उत्तर- नौ सौ चूहे खाए बिल्ली हज को चली।

15. "एक बार धोखा खाया व्यक्ति दोबारा सावधानी बरतता है" के लिए उचित कहावत होगी-

उत्तर- दूध का जला छाछ को फूंक फूंक कर पीता है।

16. "बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद" कहावत का क्या अर्थ होगा-

उत्तर- मुर्ख को गुण की परख ना होना। **या** अज्ञानी किसी के महत्व को आँक नहीं सकता।

17. "बद अच्छा बदनाम बुरा।" कहावत का क्या अर्थ होगा-

उत्तर- कलंकित होना बुरे होने से भी बुरा है।

18. "ढाक के तीन पात।" कहावत का क्या अर्थ होगा-

उत्तर- सदा एक सी स्थिति बने रहना।

19. "जिन खोजा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ" कहावत का क्या अर्थ होगा-

उत्तर- प्रयत्न करने वाले को लाभ / सफलता अवश्य मिलती है।

20. "अक्ल बड़ी या भैंस।" कहावत का क्या अर्थ होगा-

CBEO BHINDER

उत्तर- शारीरिक बल से बुद्धि बल श्रेष्ठ होता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

निम्नलिखित मुहावरों /कहावतों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. एक अनार सौ बीमार।

   अर्थ- वस्तु कम चाहने वाले अधिक।

   वाक्य प्रयोग- मोहन 10 समोसे लाया लेकिन घर पहुंचा तो देखा" एक अनार सौ बीमार"।

2. थोथा चना बाजे घना।

   अर्थ- गुण हीन व्यक्ति अधिक डींगे मारता है/ आडंबर करता है।

   वाक्य प्रयोग- सुरेश सदा अपनी प्रशंसा किया करता है पर उसमें वास्तविक योग्यता नहीं है। उस पर तो वही कहावत चरितार्थ होती है- "थोथा चना बाजे घना"।

3. नौ दिन चले अढ़ाई कोस।

   अर्थ- बहुत धीमी गति से कार्य का होना।

   वाक्य प्रयोग- राहुल नौ दिन चले अढ़ाई कोस के कारण वार्षिक परीक्षा नहीं दे पाया।

4. छछूंदर के सिर में चमेली का तेल।

   अर्थ- अयोग्य व्यक्ति के पास अच्छी वस्तु होना।

   वाक्य प्रयोग- काले कलूटे और बेकार रमेश को बी.ए. पास सुंदर पत्नी क्या मिली लोगों ने कहा "छछूंदर के सिर में चमेली का तेल"।

5. खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

   अर्थ- अधिक परिश्रम से कम लाभ होना।

   वाक्य प्रयोग- सतीश लाखों रुपए कमाने की चाह में गांव का सबकुछ बेचकर शहर आया पर केवल पंद्रह सौ रुपये मासिक की नौकरी मिली इसे कहते हैं "खोदा पहाड़ निकली चुहिया"।

6. कंगाली में आटा गीला।

   अर्थ- संकट पर संकट आना।

   वाक्य प्रयोग- महीने के अंत में जब राम की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी उसी समय मेहमानों के आ जाने पर उसके मुंह से अनायास निकल गया "कंगाली में आटा गीला"।

7. गागर में सागर भरना।

   अर्थ- थोड़े में बहुत कुछ कह देना।

   वाक्य प्रयोग- मुरारी बापू की कथा सुनकर ऐसा लगता है जैसे उन्होंने "गागर में सागर भर दिया हो" ।

8. पराधीन सपनेहु सुख नाही।

   अर्थ- परतंत्र व्यक्ति कभी सुखी नहीं होता।

CBSE BINDER

वाक्य प्रयोग- राम एक महल में नौकर है पर सुखी नहीं उसे वहा सभी सुख सुविधाएँ उपलब्ध है लेकिन वास्तव में वह मानसिक रूप से सुखी नहीं क्योंकि "पराधीन सपनेहु सुख नाहीं"।

9. श्री गणेश करना।

अर्थ- आरंभ करना।

वाक्य प्रयोग- मोहन तुम अपनी दुकान का श्रीगणेश किस तिथि को करने जा रहे हो?

10. भीगी बिल्ली बनना।

अर्थ- डरपोक होना।

वाक्य प्रयोग- शेर को देखकर सभी जानवर भीगी बिल्ली बन जाते हैं।

11. हाथों के तोते उड़ना।

अर्थ- बहुत घबरा जाना या होश उड़ना।

वाक्य प्रयोग- परीक्षा भवन में प्रश्न पत्र के कठिन प्रश्नों को देखकर मोहन के हाथों के तोते उड़ गए।

12. छाती पर सांप लोटना।

अर्थ- अत्यंत ईर्ष्या करना।

वाक्य प्रयोग- दूसरे की तरक्की देखकर राम की छाती पर साँप लोटने लगता है।

13. कलेजा ठंडा होना।

अर्थ- संतुष्ट होना।

वाक्य प्रयोग- चोर को पकड़ा हुआ देखकर गांव वालों का कलेजा ठंडा हो गया।

14. ईद का चाँद होना।

अर्थ- बहुत दिनों में दिखाई देना या मुश्किल से नजर आना।

वाक्य प्रयोग- अरे भाई! मुकेश कहां रहते हो? आजकल तुम तो ईद का चांद हो गए हो।

15. चार चाँद लगाना।

अर्थ- शोभा बढ़ाना।

वाक्य प्रयोग- राम ने अपने परिवार में प्रथम कलेक्टर बन परिवार की प्रतिष्ठा में चार चाँद लगा दिए।

16. तलवे चाटना।

अर्थ- खुशामद करना।

वाक्य प्रयोग- महेश ने उस अधिकारी के तलवे चाटे तब जाकर उसने उसे नौकरी दी।

17. पिंड छुड़ाना।

अर्थ- पीछा छुड़ाना या बचना।

वाक्य प्रयोग- हमारा नौकर इतना बातूनी है की उससे पिंड छुड़ाना बहुत ही कठिन है।

18. बाज न आना।

CBEO BHINDER

अर्थ- आदत ना छोड़ना।

वाक्य प्रयोग- राम को इतना ही समझाया लेकिन वह अपनी चोरी की आदत से बाज न आया।

19. रंग में भंग पड़ना।

अर्थ- आनंद में बाधा उत्पन्न होना।

वाक्य प्रयोग- मोहन की शादी में अचानक उसकी माता की तबियत खराब हो जाने के कारण रंग में भंग पड़ गया।

20. पानी में रहकर मगर से बैर।

अर्थ- शक्तिशाली आश्रय दाता से बेर करना।

वाक्य प्रयोग- मालिक से मतभेद रखने वाले नौकर को उसकी पत्नी ने समझाया कि जल में रहकर मगर से बैर नहीं किया करते।

CBEO BHINDER

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

मॉडल प्रश्न पत्र

कक्षा 10

केवल बोर्ड परीक्षा 2021 के लिए

सामान्य दिशा–निर्देश

Model Question Paper 2021

General Instructions

1. मॉडल प्रश्न पत्र परीक्षा 2021 के लिए बोर्ड वेबसाईट पर अपलोड किये गये संशोधित पाठ्यक्रम के आधार पर तैयार किये गये है।

Model Question papers are uploaded on the Board website have been framed on the basis of the revised syllabus for Board Examination 2021.

2. कोविड–19 परिपेक्ष्य में लम्बे समय तक विद्यालय नहीं खुले और विधिवत शिक्षण बाधित हुआ है अतः मुख्य पाठ्यक्रम समिति द्वारा नवीन प्रश्नपत्र पेटर्न अनुमोदित किया गया है

Due to the COVID-19 conditions schools have not been opened for the students for a long time. Teaching process has been hampered, hence the syllabus committee has approved a new Question paper pattern.

3. सभी प्रश्न पत्र नवीन पेटर्न पर आधारित हैं। प्रश्न पत्रों में बहुविकल्पी, एक पंक्ति में उत्तर वाले, रिक्त स्थान पूर्ति, लघुउत्तरात्मक– I, लघुउत्तरात्मक– II निबधात्मक प्रश्नों का समावेश है।

All the Model Question papers are framed according to the new pattern. Multiple Choice Questions, one line answers, Fill in the blanks, Short Answer Type - I, Short Answer Type - II, Long Answer Type Questions are included in the Question Papers.

4. खण्ड स एवं द के प्रत्येक प्रश्न में एक–एक, तथा खण्ड य के प्रत्येक प्रश्न में 2–2 विकल्प दिये गये है।

Section C and D have one internal choice and Section E has two internal choices in each question.

5. पाठ्यक्रम में दिये गये इकाई वार अंक एवं अंक भार में 25% तक अंकभार में परिवर्तन बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्रों में सम्भव है।

A change/ variation up to 25% can be there in the unit-wise marking scheme/weightage of marks as given in the syllabus and in the main Board Examination Question papers.

माध्यमिक परीक्षा मॉडल प्रश्न–पत्र 2021

SECONDARY EXAMINATION, MODEL QUESTION PAPER-2021

विषय – हिन्दी

समयः 3¼ घण्टे पूर्णांक 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्नों का अंकभार निम्नानुसार है।

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड–अ(A)	1 (i से x), 2 to 11	1	20
खण्ड–ब(B)	12 से 19 = 8	2	16
खण्ड–स(C)	20 से 23 = 4	4	16
खण्ड–द(D)	24 से 25 = 2	5	10
खण्ड–य(E)	26 से 28 = 3	6	18

माध्यमिक परीक्षा 2021
मॉडल प्रश्न पत्र
विषय – हिन्दी

पूर्णांक – 80 **समय – 3 घण्टे 15 मिनट**

खण्ड (अ)

प्रश्न 01 निम्नांकित प्रश्नों में से दिये गये सही विकल्प का चयन कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का है। **(10X1=10)**

(i) 'मृगनयनी' शब्द में कौनसा समास हैं ?

(अ) द्वन्द्व समास (ब) कर्मधारय समास (स) द्विगु समास (द) तत्पुरूष समास

(ii) 'बेखबर' शब्द में कौनसा समास हैं ?

(अ) तत्पुरूष समास (ब) बहुब्रीहि समास (स) अव्ययीभाव समास (द) द्विगु समास

(iii) जिस समास में पहला पद संख्यावाचक होता है, उसे कहते है ?

(अ) द्विगु समास (ब) तत्पुरूष समास (स) कर्मधारय समास (द) द्वन्द्व समास

(iv) 'घनश्याम' शब्द में कौनसा समास हैं ?

(अ) अव्ययीभाव समास (ब) कर्मधारय समास (स) द्विगु समास (द) बहुब्रीहि समास

(v) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है –

(अ) प्रदर्शिनी (ब) गोपिनी (स) कनिष्ट (द) अतिथि

(vi) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है –

(अ) उज्ज्वल (ब) सर्मथ (स) अनाधिकार (द) अनुगृह

(vii) निम्नलिखित में से अशुद्ध शब्द है –

(अ) बीमार (ब) तिथि (स) शाप (द) अष्टवक्र

(viii) निम्नलिखित में से अशुद्ध शब्द है –

(अ) भास्कर (ब) वरिष्ठ (स) अनुच्छेद (द) पुज्य

(ix) 'कामायनी' किस कवि का प्रसिद्ध काव्य ग्रन्थ हैं ?

(अ) सूरदास (ब) नागार्जुन (स) तुलसीदास (द) जयशंकर प्रसाद

(x) रामधारी सिंह दिनकर को किस काव्य कृति पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ?

(अ) परशुराम की प्रतिज्ञा (ब) रेणुका (स) रसवन्ती (द) उर्वशी

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द/एक पंक्ति में दीजिए–

प्रश्न क्रमांक :– 02 से 08 तक के सभी प्रश्नों के अंकभार एक–एक है। **1x7=7**

प्रश्न 02 सूरदास के एक प्रामाणिक काव्य ग्रन्थ का नाम लिखिए?

प्रश्न 03 लक्ष्मण के व्यंग्य वचनों से किनकी क्रोधाग्नि बढ़ रही थी?

प्रश्न 04 रानी लक्ष्मीबाई बचपन में कौनसा खेल खेलती थी?

प्रश्न 05 'त्रिपिटक' किस धर्म का प्रमुख ग्रन्थ है?

प्रश्न 06 ईर्ष्या से बचने का उपाय लेखक ने क्या बतलाया है ?

प्रश्न 07 'बाल की खाल निकालना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।

प्रश्न 08 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।

दिये गये प्रश्नों में रिक्त स्थान की पूर्ति कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का है, (3X1=3)

प्रश्न 09 'मृदुल वसन्त' जीवन के ..... पड़ाव का प्रतीक है।

प्रश्न 10 ईर्ष्या की बेटी का नाम ..... है।

प्रश्न 11 सुनहले सूर्योदय और सूर्यास्त की भूमि ..... है।

खण्ड–ब

निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है। (8X2=16)

प्रश्न 12 'अभी न होगा मेरा अंत' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए?

प्रश्न 13 'सूरदास' पाठ के आधार पर राधा–कृष्ण के मध्य हुए वार्तालाप का सारांश लिखिए।

प्रश्न 14 'प्रकृति–पद्मिनी के अंशु माली' 'प्रभो' कविता में 'अंशु माली' शब्द किसके लिए आया है और क्यों?

प्रश्न 15 रामधारी सिंह दिनकर ने ईर्ष्या से बचने के क्या उपाय बताए है? कोई दो उपाय लिखिए।

प्रश्न 16 'आखिरी चट्टान' निबंध का लेखक एक टीले से दूसरे टीले पर क्यों पहुँचना चाहता था?

प्रश्न 17 'ईदगाह' कहानी के किस पात्र ने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया है और क्यों?

प्रश्न 18 'बाजी मारना' मुहावरे का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प्रश्न 19 'डूबते को तिनके का सहारा' लोकोक्ति का अर्थ सहित वाक्य प्रयोग कीजिए।

खण्ड–स

प्रश्न 20 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूथा जाऊँ
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर हे हरि! डाला जाऊँ
चाह नहीं, देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ
मुझे तोड़ लेना बनमाली
उस पथ पर तुम देना फेंक

मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ पर जाए वीर अनेक।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
(ब) रेखांकित शब्द 'इठलाऊँ' का अर्थ बताइए। 1
(स) उपर्युक्त काव्यांश की मूल संवेदना लिखिए। 2

अथवा

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

फूलों की राह पुरानी है,
शूलों की राह नई साथी
सुमनों के पथ पर चरणों के
कितने ही चिन्ह पड़े होंगे
लालायित फिर भी चलने को
कितने ही चरण खड़े होंगे
पर, गैल अछूती शूलों की
जो चूमे वही जवानी है,
जो लहू सींच कर बढ़ते हैं
उनका ही कूच रवानी है।
जीवन की चाह पुरानी है
मरने की चाह नई साथी
फूलों की राह पुरानी है,
शूलों की राह नई साथी

(अ) उपर्युक्त गंद्याश का उचित शीर्षक लिखिए।
(ब) कौनसी राह अछूती रह जाती है?
(स) कौनसी राह को नई माना गया है और क्यों?

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न 21 'लक्ष्मण–परशुराम संवाद' प्रसंग के आधार पर लक्ष्मण के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। 4

अथवा

'भ्रमरगीत' प्रसंग के आधार पर गोपियों के कृष्ण के प्रति उनके प्रेम का वर्णन कीजिए?

प्रश्न 22 '' 'ईदगाह' मुंशी प्रेमचन्द की बाल–मनोविज्ञान को चरितार्थ करने वाली एक प्रतिनिधि कहानी है।'' कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए। 4

अथवा

द्विवेदी जी ने महिला–शिक्षा के समर्थन में कौन–कौन से तर्क दिए हैं? पाठ के आधार पर लिखिए?

प्रश्न 23 निम्नलिखित साहित्यकारों का जीवन एवं कृत्तित्व परिचय दीजिए।

जयशंकर प्रसाद 4

अथवा

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

खण्ड (द)

प्रश्न 24

उपर्युक्त प्रदर्शित यातायात चिन्हों का सांकेतिक अर्थ बताते हुए इनका विश्लेषण भी कीजिए। 5

अथवा

यातायात साधनों के संचालन नियमों का पालन करना क्यों अनिवार्य है? सही प्रकार से यदि वाहन न चलाया जाए तो होने वाली समस्याओं व दुर्घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 25 स्वयं को जिलाधीश 'गया' मानते हुए अपने जिले के समस्त राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों के संस्था–प्रधान को एक पत्र लिखिए, जिसमें अपने विद्यालय में गांधीजी की 150वीं जयन्ती मनाने के आदेश दिये गये हो। 5

अथवा

स्वयं को उदयपुर निवासी अर्पिता मानते हुए अपने जिला पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा संबंधी पत्र लिखिए, जिसमें आपके मोहल्ले में बाहरी लोगों द्वारा की जा रही संदेहास्पद गतिविधियों का उल्लेख हो।

खण्ड (य)

प्रश्न 26 दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :– 6

(अ) भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण

(i) प्रस्तावना
(ii) वृक्ष संरक्षण
(iii) नदी, पर्वत संरक्षण
(iv) उपसंहार

अथवा

(ब) यदि मैं भारत का प्रधानमंत्री होता।

(i) प्रस्तावना
(ii) सुरक्षा एवं विकास
(iii) सामाजिक समरसता
(iv) उपसंहार

अथवा

(स) इंटरनेट : वरदान या अभिशाप

(i) प्रस्तावना : इन्टरनेट व दैनिक जीवन
(ii) इंटरनेट के विविध क्षेत्र
(iii) इंटरनेट के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव
(iv) उपसंहार

अथवा

(द) बेटी बचाओ : बेटी पढ़ाओ

(i) प्रस्तावना – बेटी बचाओ : बेटी पढ़ाओ की अवधारणा
(ii) लिंगानुपात कम होने का कारण
(iii) कन्या–भ्रूण हत्या रोकने के उपाय
(iv) स्त्री–शिक्षा का महत्त्व एवं उपाय
(v) उपसंहार

प्रश्न 27 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2+4=6

मेरे जीवन का यह है जब प्रथम–चरण
इसमें कहाँ मृत्यु?
है जीवन ही जीवन
अभी पड़ा है आगे सारा यौवन
स्वर्ण–किरण कल्लोलों पर बहता रे, बालक मन
मेरे ही अविकसित राग से
विकसित होगा बन्धु दिगन्त,
अभी न होगा मेरा अंत

अथवा

प्रसार तेरी दया का कितना,
ये देखना है तो देखे सागर
तेरी प्रशंसा का राग प्यार,
तरंग मालाएँ गा रही हैं।
तुम्हारा स्मित हो जिसे निखरना,
वो देख सकता है चन्द्रिका को
तुम्हारे हँसने की धुन में नदियाँ,
निनाद करती ही जा रही हैं।

अथवा

उषा की लाली में
अभी से गए निखर
हिमगिरि के कनक–शिखर
आगे बढ़ा शिशु–रवि
बदली छवि, बदली छवि
देखता रह गया अपलक कवि

प्रश्न 28 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2+4=6

मान लीजिए कि पुराने जमाने में भारत की एक भी स्त्री पढ़ी–लिखी न थी। न सही। उस समय स्त्रियों की पढ़ाने की जरूरत न समझी गई होगी। पर अब तो है। अतएव पढ़ाना चाहिए। हमने सैकड़ों पुराने नियमों आदेशों और प्रणालियों को तोड़ दिया है या नहीं? तो चलिए, स्त्रियों को अपढ़ रखने की इस पुरानी चाल को भी तोड़ दें। हमारी प्रार्थना तो यह है कि स्त्री शिक्षा के विपक्षियों को क्षण भर के लिए भी इस कल्पना को अपने मन में स्थान न देना चाहिए कि पुराने जमाने में यहाँ कि सारी स्त्रियाँ अपढ़ थी अथवा उन्हें पढ़ने की आज्ञा न थी।

अथवा

सूर्य का गोला पानी की सतह को छू गया। पानी पर दूर तक सोना ही सोना ढुल गया। पर वह रंग इतनी जल्दी बदल रहा था कि किसी भी एक क्षण के लिए उसे एक नाम दे सकना असम्भव था। सूर्य का गोला जैसे एक बेबसी में पानी के लावे में डूबता जा रहा था। धीरे–धीरे वह पूरा डूब गया और कुछ क्षण पहले जहाँ सोना बह रहा था, वहाँ अब लहू बहता नजर आने लगा। कुछ और क्षण बीतने पर वह लहू भी धीरे–धीरे बैजनी और बैजनी से काला पड़ गया। मैने फिर एक बार मुड़कर दायीं तरफ देख लिया।

अथवा

ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है। जिस मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीजों से आनन्द नहीं उठाता जो उसके पास मौजूद हैं, बल्कि उन वस्तुओं से दुःख उठाता है जो दूसरों के पास हैं। वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर दंश मारते हैं। दंश के इस दाह को भोगना कोई अच्छी बात नहीं है। मगर ईर्ष्यालु मनुष्य करे भी तो क्या? आदत से लाचार होकर उसे यह वेदना भोगनी ही पड़ती है।